चरैवेति
त्वदीयं वस्तु गोविन्द
तुभ्यमेव समर्पये ...
गोपाल शर्मा

गंजापन नो टेंशन
चले आइये सेटिसफेक्शन
मात्र रु. 1999/-
2 घंटे पहले
2 घंटे बाद
बिना सर्जरी के अमेरिकन तकनीकी द्वारा
सेटिसफेक्शन हेयर विविंग पॉइंट
शॉप . नं. 137, स्पेस सिनेमा सिटी प्लाजा
Ist Floor बनीपार्क, जयपुर
Mo. 9214310465

जयपुर
महानगर टाइम्स
लोकतंत्र को समर्पित समाचार पत्र
www.mahanagartimes.net
वर्ष 17 अंक 121 जयपुर, 15 अप्रेल, 2014, मंगलवार (चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, २०७१)
पृष्ठ 8 मूल्य 2 रुपए

हनुमान जयंती की शुभकामनाएं
17 अप्रेल 2014 को मतदान अवश्य करें
वोट फॉर इण्डिया
राजस्थान मिशन 25
मुकेश पारीक
नटवर लाल गर्ग 9351591496
हितेश अग्रवाल 9414332255

जम्मू से पोर्ट ब्लेयर, बाड़मेर से इम्फाल ..बदलाव की बयार

नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनें या नहीं.. (फिर खुद को टोकते हुए) नहीं–नहीं, प्रधानमंत्री तो खैर वे अब बन ही गए हैं.. लेकिन यह जरूर है कि एक–एक घर और एक–एक आदमी तक मोदीजी का नाम पहुंच गया है। –**सुरेन्द्र महतो,** बिहारी श्रमिक

विश्व के भारतवंशियों ने लोकसभा–2014 को स्वाभिमान से जोड़ा

मोदी ही पीएम

3 महीनों में 30 हजार किलोमीटर की यात्रा का निष्कर्ष

इम्फाल
हमारे मनमोहन सिंह और हमारी सोनिया गांधी को बहुत देख लिया। इस बार मोदी को देखना चाहते हैं।
–नन्हन
(मेईती टैक्सी ड्राइवर)

अहमदाबाद
प्रवासी भारतीयों के स्वाभिमान की रक्षा के लिए जरूरी है कि मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनें।
–अंजलि बेन
(प्रवासी भारतीयों में 40 वर्षों से सक्रिय)

हांगकांग
हांगकांग के सिम सा सुई में एक सड़क के बारे में टिप्पणी, 'मोडी रोड.. नॉट नरेन्द्र मोदी रोड'।
–सिन जुआन
(एक स्थानीय छात्र)

न्यूयॉर्क
नरेन्द्र मोदी को देखना बाकी है लेकिन शायद वे अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री होंगे।
–भंवरलाल सरावगी
(प्रवासी राजस्थानी मूल के व्यवसायी)

गोपाल शर्मा

3 महीनों के दौरान कई दौर में 30 हजार किलोमीटर की यात्रा.. जम्मू से पोर्ट ब्लेयर, बाड़मेर से इम्फाल.. गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक जैसे विविध प्रभाव वाले राज्यों के दौरे.. नेपाल–श्रीलंका से थाईलैंड–हांगकांग–मकाऊ यानी शेनझेन की सीमा तक अनेक भारतवंशियों से मुलाकातें.. अमेरिका–इंग्लैंड–कनाडा में रह रहे प्रवासी भारतीयों से फोन पर बातें.. जैसे भारतीयों ने चुनाव परिणाम से पहले ही मान लिया है कि अगले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी होंगे। प्रवासी भारतीयों में 'पावरफुल पीएम' की ललक पैदा हो रही है ताकि वे दुनिया के सामने भारत के नेता का नाम गौरव के साथ ले सकें; वहीं, भारत का बड़ा वर्ग बदलाव की बयार की रौ में बह जाने को मन बनाए बैठा है। चाहे कोई किसी भी पार्टी का समर्थक क्यों न हो लेकिन देश की सच्चाई है, 'घर–घर मोदी, हर घर मोदी'.. अगर कोई भारतीय जनता पार्टी या समर्थक पार्टी को वोट देने नहीं जा रहा है तो भी उसके घर में सबसे अधिक चर्चा नरेन्द्र मोदी की हो रही है। इम्फाल के 40 वर्षीय मेईती टैक्सी ड्राइवर नन्हन अपने मनमोहन सिंह–सोनिया गांधी को छोड़कर नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं.. जम्मू पिछली गलती को सुधारने को तत्पर है.. हांगकांग के प्रसिद्ध 'मोडी रोड' के लिए वहां का स्थानीय सिन जुआन कहता है, 'मोडी रोड.. नॉट नरेन्द्र मोदी रोड'। ..बैंकाक में जयपुर के प्रवासी मोहित पांडे कहते हैं, 'इस बार तो मोदीजी आएंगे' ..अमेरिका में 40 वर्षों से भारतीयों को जोड़ने में लगी अंजलि बेन भारत के चुनाव के संदर्भ में मोदी की चर्चा करते हुए भावविह्वल हो जाती हैं.. वे कहती हैं कि प्रवासी भारतीयों के स्वाभिमान की रक्षा के लिए जरूरी है कि मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनें.. बैंकाक में अंतरराष्ट्रीय उद्योगपति सम्मेलन में भारत के राजदूत की उपस्थिति में मंच से मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पुरजोर कोशिश किए जाने का आह्वान होता है.. श्रीलंका के कैंडी–कोलंबो में मोदी की उतनी ही चर्चा है जितनी नेपाल के काठमांडू–विराटनगर और बीरगंज में.. मकाऊ की सबसे बड़ी होटल वेनेशिया में आणंद (गुजरात) की प्रबंधक सुरभि मोदी के नाम से रोमांचित हैं तो वहां की प्रसिद्ध रेस्टोरेंट चेन की प्रमुख अरुणा झा के खचाखच भरे रहने वाले रेस्टोरेंटों में नरेन्द्र मोदी के बैनर छाए हुए हैं.. यहां तक कि गणेशजी की प्रतिमा को भाजपा के कमलधारी दुरंगे झंडे का दुपट्टा ओढ़ाया हुआ है। विदेशों में नरेन्द्र मोदी के बैनर लगे हुए हैं जिनमें नरेन्द्र मोदी चाय का कप थामे हुए दिखते हैं। भारत में खासकर उत्तर भारत, जिसकी जनता लहर ने कांग्रेस को 1977 में सत्ताच्युत किया था, की हालत यह है कि जयपुर–लखनऊ–भोपाल–पटना–दिल्ली.. चारों तरफ भाजपा नंबर वन है और नरेन्द्र मोदी भाजपा का प्रतीक।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

अविचल राह

गोपाल शर्मा

पत्रकारिता

संस्थापक संपादक	-	महानगर टाइम्स (स्थापना 1997)
मुख्य संवाददाता	-	राजस्थान पत्रिका (1985-1997)
संवाददाता	-	पांचजन्य, दिनमान (1984-1985)

उत्तरदायित्व

एडवाइजर (पूर्व)	:	सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार
सदस्य	:	सेंट्रल प्रेस एक्रिडेशन कमेटी, भारत सरकार
सदस्य (पूर्व)	:	पीएसी, डीएवीपी, भारत सरकार
सोसाइटी मेंबर (पूर्व)	:	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन सोसायटी, नई दिल्ली
सीनेट सदस्य (पूर्व)	:	माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल
सदस्य (पूर्व)	:	राजस्थान लीगल एड अथॉरिटी, राजस्थान स्मॉल सेविंग्स बोर्ड, उर्दू अकादमी, एक्रिडेशन कमेटी, समाचार पत्र एप्रूवल कमेटी

पुस्तक लेखन

कारसेवा से कारसेवा तक
भूमिका- श्री कर्पूर चंद कुलिश
लोकार्पण- श्री लालकृष्ण आडवाणी
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित (रिकॉर्ड बिक्री)

गांधीः जयपुर सत्याग्रह
(भारतीय राजनीति के सशक्त दस्तावेज का रहस्योद्घाटन)

महाव्रती
कर्मयोगी प्रचारक सोहन सिंह
आमुख- श्री मोहनराव भागवत
लोकार्पण- श्री मोहनराव भागवत

चलो कश्मीर
भूमिका- श्री भानुप्रताप शुक्ल
(कन्याकुमारी से कश्मीर तक एकता यात्रा का संपूर्ण वृत्तांत)

आजादी के बाद
भूमिका- डॉ. मुरलीमनोहर जोशी
(राजस्थान पत्रिका-इतवारी पत्रिका में लिखे लेखों का संग्रह)

विकट विप्लवी
अमर शहीद महावीर सिंह
(पोर्ट ब्लेयर की सेलूलर जेल में अनशन करते शहीद)

वडनगर से बनारस
(श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन वृत्त पर आधारित)

साक्षात्कार

ब्रह्मयोगी देवरहा बाबा, क्रांतिकारी श्री जयदेव कपूर, श्री बालासाहब देवरस, श्री अटलबिहारी वाजपेयी, भारत रत्न खान अब्दुल गफ्फार खान, श्री राजकपूर और जरनैलसिंह भिंडरांवाले-चार्ल्स शोभराज सहित विविध

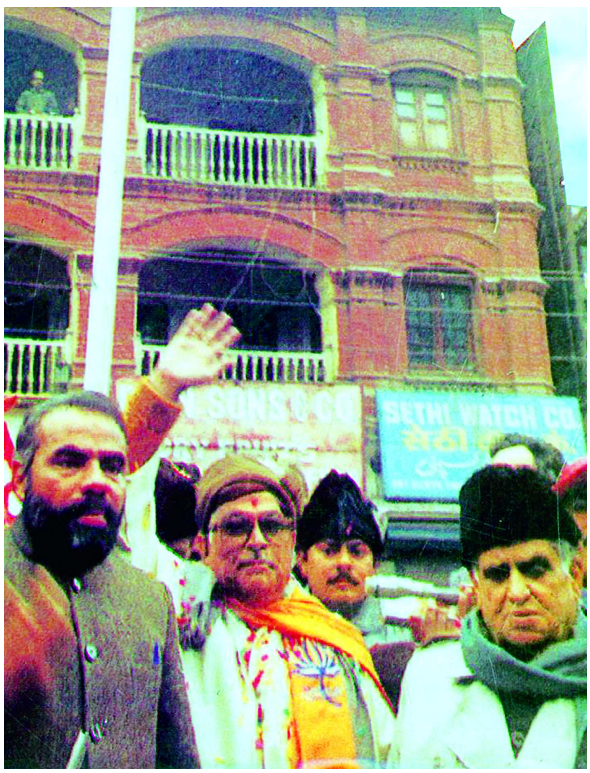

26 जनवरी, 1992.. लालचौक-श्रीनगर.. श्री नरेन्द्र मोदी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, श्री कृष्णलाल शर्मा के साथ

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

अविचल राह

सामाजिक कार्यों में भूमिका

प्रचारक-विस्तारक	-	तीन वर्ष (पाली-जालौर)
राष्ट्रीय संयोजक	-	राष्ट्रीय क्रांतिकारी परिवार संगठन
संयोजक	-	स्वातंत्र्य समर स्मृति संस्थान
संयोजक	-	ब्रह्मशक्ति सम्मेलन (सामाजिक समरसता के लिए पहल) 14 सितम्बर, 2008
संयोजक	-	सेवा निधि (गुजरात भूकम्प की त्रासदी में सहायता अभियान एवं भुज में राहत शिविर)
संयोजक	-	शहीद समर्पण निधि (कारगिल युद्ध के बाद राजस्थान के सभी शहीद 71 परिवारों का जयपुर में सार्वजनिक नागरिक अभिनंदन और हर परिवार को 51 हजार रुपए की राशि भेंट)
मुख्य संयोजक	-	विप्र महाकुंभ-2012 (सामाजिक समरसता के लिए ऐतिहासिक सम्मेलन)
वरिष्ठ उपाध्यक्ष	-	राजस्थान ब्राह्मण महासभा
संरक्षक	-	विकलांग सहायता एवं जनसेवा समिति,जयपुर
समन्वयक	-	श्री खोले के हनुमान मंदिर विकास योजना
स्वागताध्यक्ष	-	भारतीय मजदूर संघ राष्ट्रीय अधिवेशन
प्रदेश अध्यक्ष	-	हिन्दुस्तान समाचार स्वर्ण जयंती समारोह समिति
संयोजक	-	श्री भैरोंसिंह शेखावत नागरिक अभिनंदन समिति (उपराष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार जयपुर आगमन)
संयोजक	-	माननीय बाबा साहब आप्टे जन्म शताब्दी समारोह, राजस्थान
संयोजक	-	माननीय दादा भाई अभिनंदन समारोह (मुख्य अतिथि : श्री मोहन राव भागवत)
उपाध्यक्ष	-	श्री ललितकिशोर चतुर्वेदी अभिनंदन समारोह (मुख्य अतिथिः श्री कु.सी. सुदर्शन)

ऑल इंडिया डिबेट कंपीटिशन में शील्ड लेते हुए

पुरस्कार

राष्ट्रीय संचेतना सम्मान, राजस्थान पत्रिका विशिष्ट पुरस्कार, माणक अलंकरण, शरद दूबे स्मृति पुरस्कार, लोकविकास पुरस्कार, महाराणा प्रताप पुरस्कार, श्री गोपाल पुरोहित सम्मान, ग्लोबल ब्राह्मण लीडर अवार्ड, द एडवरटाइजिंग क्लब का तीन वर्ष तक लगातार बेस्ट रिपोर्टर पुरस्कार, महाराजा माधोसिंह पत्रकारिता पुरस्कार, नंदकिशोर पारीक पत्रकारिता पुरस्कार, वृत्तपत्र गौरव पुरस्कार, विवेकानंद गौरव सम्मान, मानव मित्र सम्मान, पिंकसिटी प्रेस क्लब का लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड आदि। लगभग 100 संस्थाओं से सम्मानित।

विशेष कवरेज

सामाजिक सशक्तीकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर लगभग 5 हजार आलेख-विशेष रिपोर्ट्स-समाचार।
देश के 300 जिलों में विशेष कवरेज। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब सहित अन्य राज्यों में चुनावी समाचार संकलन।
अयोध्या आंदोलन (1989-1993)

रामरथ यात्रा	:	सोमनाथ से समस्तीपुर
एकता यात्रा	:	कन्याकुमारी से लालचौक-श्रीनगर
जनादेश यात्रा	:	जम्मू से भोपाल

'महानगर' में प्रकाशित कॉलम **किससे करें गुहार** के जरिये करीब 5 हजार जरूरतमंद और पीड़ित व्यक्तियों का सहयोग।

विदेश यात्राएं

अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, फ्रांस, चीन, वियतनाम, सिंगापुर, कंबोडिया, त्रिनिदाद और टोबैगो, गुयाना, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, थाइलैंड, इंडोनेशिया।

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

न्याय के लिए संघर्ष का पथ

छात्र-युवा जीवन में आंदोलन और गिरफ्तारियों का दौर

28 मार्च, 1984

पुलिस का प्राणघातक हमला

- श्री मुलायम सिंह यादव पर गोलीबारी के विरोध में श्री अटलबिहारी वाजपेयी और श्री चरण सिंह के नेतृत्व में लखनऊ में प्रदर्शन हुआ। इसमें शामिल होने पर प्राणघातक हमले का शिकार होना पड़ा और आंख फोड़ने की कोशिश की गई।

कार्यकर्ताओं पर उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष-गिरफ्तारी

- 18 दिसम्बर, 1978 : चिड़ावा (झुंझुनूं) में स्वयंसेवकों के साथ होने वाली अभद्रता के खिलाफ संघर्ष और गिरफ्तारी।

इंदिरा गांधी को काले झंडे और गिरफ्तारी

- 15 जनवरी, 1982 : प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के खिलाफ प्रदर्शन और काले झंडे दिखाते हुए गिरफ्तार। लाठीचार्ज में घायल।

उर्दू को द्वितीय राजभाषा बनाए जाने के विरोध में गिरफ्तारियां

- 16 फरवरी, 1992 : उर्दू को उत्तर प्रदेश में द्वितीय राजभाषा बनाए जाने के विरोध में शिक्षामंत्री का घेराव करने के दौरान गिरफ्तार।
- 23 फरवरी, 1982 : विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार के खिलाफ रास्ता रोको आंदोलन का नेतृत्व करते हुए गिरफ्तार।

कनॉट प्लेस पर राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ सत्याग्रह

- 28 मार्च, 1984 : राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा के नेता श्री अटलबिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में कनॉट प्लेस पर गिरफ्तारी।

पत्रकार हितों के लिए प्रदर्शन और गिरफ्तारी

- 1 अक्टूबर, 1995 : राजस्थान के पत्रकारों की समस्याओं को लेकर राजभवन-जयपुर के सामने प्रदर्शन और गिरफ्तारी।

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

पुरस्कार-प्रोत्साहन-आशीर्वाद

माणक अलंकरण से सम्मानित करते देश के वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेन्द्र माथुर

तत्कालीन गृह मंत्री लक्ष्मणसिंह से जुड़ी खबरों का सिलसिला और अंततः उनका त्यागपत्र, तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा उदयपुर में राणा पूंजा की प्रतिमा के अनावरण के संदर्भ में ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार पर पूंजा की देशभक्ति पर प्रश्न चिह्न लगाना, पुलिस थानों में महिलाओं से बलात्कार और युवकों की मौत, धौलपुर स्टोन कंपनी का घोटाला, हरिजनों पर अत्याचार, इंदिरा नहर परियोजना में भ्रष्टाचार एवं वित्त निगम का बहता रुपया, शीर्षक से जुड़े अनेक समाचारों की श्रृंखला हमारे सामने है। सती प्रकरण और बयाना के तत्कालीन विधायक द्वारा कन्या वध कांड की खबरों को आपने इतनी शिद्दत से और दमदार तरीके से उजागर किया कि टेलीग्राफ, नवभारत टाइम्स, अमृत संदेश, धर्मयुग, द-वीक फ्लेयर, माया जैसी पत्र-पत्रिकाओं को आपकी चर्चा के लिए बाध्य होना पड़ा।

(माणक अलंकरण से सम्मानित होने पर अभिनंदन पत्र का अंश)

पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल सम्मानित करते हुए

लोक विकास पुरस्कार से सम्मानित करते पूर्व गृह मंत्री श्री दिग्विजय सिंह और पूर्व वित्त मंत्री श्री मानिकचंद सुराणा

रहस्य उद्घाटन के कठोर और कंटीले मार्ग पर चलकर तथ्य जुटाने के लिए आपने अंधेरी गुफाओं, दनदनाती गोलियों और तिजोरी के ताले में रखे दस्तावेजों को आसानी से प्राप्त कर जिस खोजी पत्रकारिता का प्रयास किया है- वह अपने आप में आपको भी रहस्यपूर्ण बनाता है।

(लोक विकास अवार्ड से सम्मानित होने पर अभिलेख पत्र अंश)

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

पुरस्कार-प्रोत्साहन-आशीर्वाद

श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन से जुड़ी ऐतिहासिक पुस्तक 'कारसेवा से कारसेवा तक' के लिए बिड़ला ऑडिटोरियम में सम्मानित करते विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक सिंघल

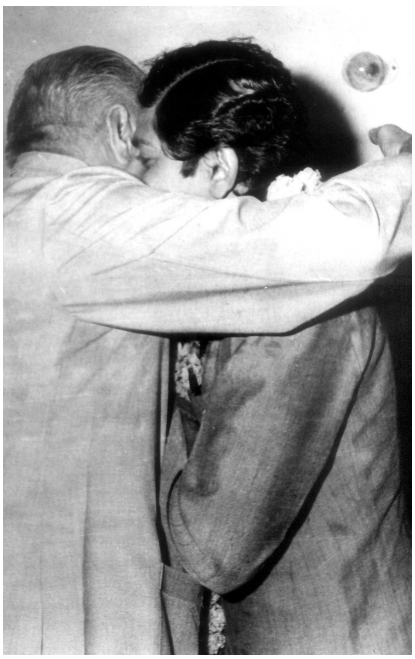
सम्मान समारोह के अवसर पर राजस्थान पत्रिका के संस्थापक-संपादक श्री कर्पूरचंद कुलिश का भावभरा आशीर्वाद

उत्कृष्ट और खोजपूर्ण पत्रकारिता के लिए 'श्रेष्ठतम पत्रकार सम्मान' देते वरिष्ठ नेता श्री ललितकिशोर चतुर्वेदी

राजस्थान राजपूत समाज की ओर से राजपूत सभा भवन में महाराणा प्रताप अवार्ड देते नौसेनाध्यक्ष श्री विजय सिंह और ब्रिगेडियर श्री भवानी सिंह

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

पुरस्कार-प्रोत्साहन-आशीर्वाद

प्रेस क्लब लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित करते राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री कैलाश मेघवाल, वरिष्ठ नेता श्री रामदास अग्रवाल

जयपुर सिटी पैलेस में महाराजा माधोसिंह अवार्ड से पुरस्कृत करते पूर्व महाराजा ब्रिगेडियर सवाई श्री भवानी सिंह

राजस्थान के सर्वोच्च नंदकिशोर पारीक पुरस्कार से सम्मानित

विवेकानंद गौरव सम्मान प्राप्त करते हुए

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

पुरस्कार-प्रोत्साहन-आशीर्वाद

ग्लोबल ब्राह्मण लीडर अवार्ड प्रदान करते राज्यपाल श्री कलराज मिश्र

श्री श्रीगोपाल पुरोहित सम्मान

सरदार पटेल विश्वविद्यालय, आणंद में यादगार क्षण

मानव मित्र सम्मान प्रदान करते पूर्व राज्यपाल श्री एन.एल. टिबरेवाल

इंटरनेशनल फोटो जर्नलिस्ट एक्जीबिशन में सम्मान

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

संगठन-संस्कार-सक्रियता

स्वर्ण मंदिर में जरनैल सिंह भिंडरांवाले से सीधी बात ... 24 मार्च, 1984

पंजाब में हिन्दुओं के कत्लेआम के खिलाफ स्वर्ण मंदिर तक शांति मार्च

1984 के लोकसभा चुनाव में श्री लालकृष्ण आडवाणी के सान्निध्य में जनता विद्यार्थी मोर्चा, वाराणसी के महानगर संयोजक और युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के रूप में बेनिया बाग की रैली में बोलते हुए

महात्मा गांधी द्वारा स्थापित काशी विद्यापीठ में वाराणसी के प्रथम सांसद इतिहासज्ञ डॉ. रघुनाथ सिंह के साथ इतिहास परिषद महामंत्री के रूप में

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

संगठन-संस्कार-सक्रियता

श्री नरेंद्र मोदी का सदैव स्नेह बरकरार

महानगर टाइम्स कार्यालय में डॉ. श्री मुरलीमनोहर जोशी के साथ

भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय अधिवेशन के मुख्य अतिथि संघ सरकार्यवाह श्री भैयाजी जोशी के सान्निध्य में स्वागताध्यक्ष के रूप में

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

संगठन-संस्कार-सक्रियता

विहिप बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में; युगपुरुष परमानंदजी और श्री आलोक कुमार के साथ

भारतीय मजदूर संघ, जयपुर अधिवेशन में मुख्य अतिथि

रक्षामंत्री श्री मनोहर पर्रिकर और सूचना एवं प्रसारण मंत्री कर्नल श्री राज्यवर्धन राठौड़ के साथ आत्मीय वार्तालाप

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री हर्षवर्धन के साथ

स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस पर क्षेत्रीय प्रचारक श्री दुर्गादास के साथ

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

समय की शिला पर हस्ताक्षर

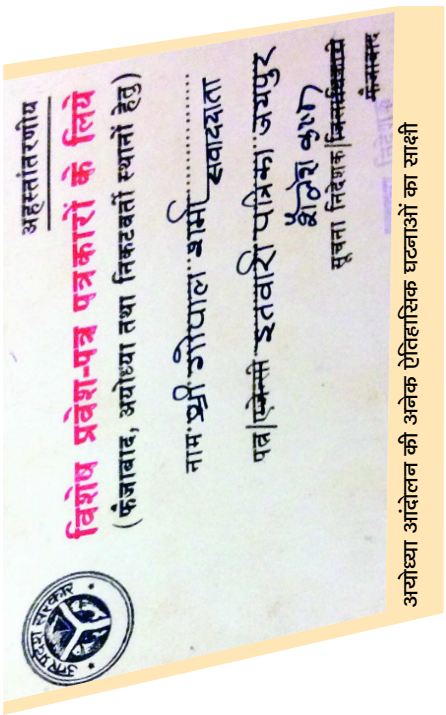

अयोध्या आंदोलन की अनेक ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी

1985 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में आमेर में मतगणना के दौरान श्री भैरोंसिंह शेखावत का मुख्य काउंटिंग एजेंट

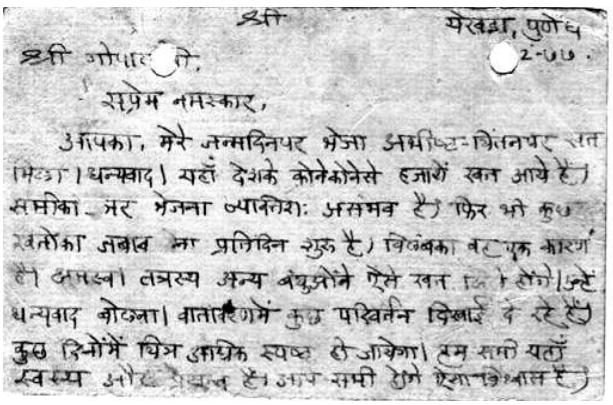

इमरजेंसी में येरवड़ा जेल में बंद बालासाहब देवरस को जन्मदिन पर लिखे शुभकामना पत्र का जवाब.. उज्जवल भविष्य के संकेत

26 जनवरी, 1992.. लालचौक पर तिरंगा फहराने के लिए जम्मू से श्रीनगर जाने और आने के लिए चार्टर विमान से पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय नेता। साथ में जाने और कवरेज का दुर्लभ अवसर प्राप्त हुआ

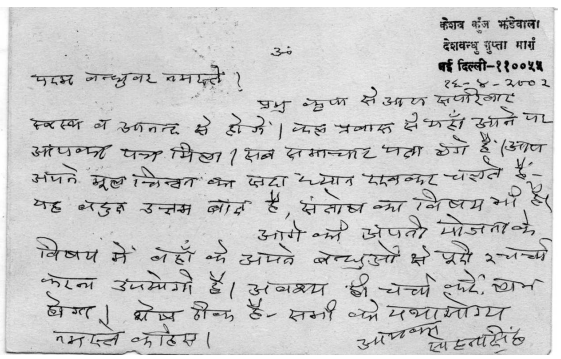

श्री सोहन सिंह का आशीर्वाद

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

सान्निध्य-साक्षात्कार-स्नेह

राजमाता श्रीमती गायत्री देवी का सतत सान्निध्य

अम्मा अमृतानन्दमयी जी के जयपुर प्रवास से जुड़ी जिम्मेदारी का निर्वाह

श्री अमिताभ बच्चन का साक्षात्कार करते हुए

भारतीय कुश्ती के भीष्म पितामह गुरु हनुमान से पारिवारिक साहचर्य

श्री कपिल देव के साथ उत्फुल्लित क्षण

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

सान्निध्य-साक्षात्कार-स्नेह

सरसंघचालक प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) का सान्निध्य

महानगर टाइम्स कार्यालय में श्री जगत प्रकाश नड्डा सपरिवार

रालेगण सिद्धि में श्री अण्णा हजारे के साथ

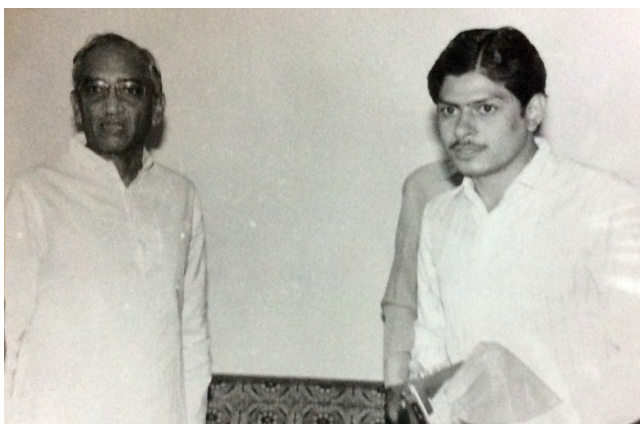
श्री हेमवती नंदन बहुगुणा से साक्षात्कार करते हुए

स्वर्ण मंदिर में श्री हरचंद सिंह लोंगोवाल के साथ

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

महान संतों के सान्निध्य का सुअवसर

गोवर्धनमठ पुरी पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद जी सरस्वती महाराज आशीर्वाद प्रदान करते हुए

तेरापंथ आचार्य महाप्रज्ञ जी के जयपुर प्रवास के दौरान निरंतर सान्निध्य और आशीर्वाद मिलता रहा

श्री श्री रविशंकर जी के साथ अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता करते हुए

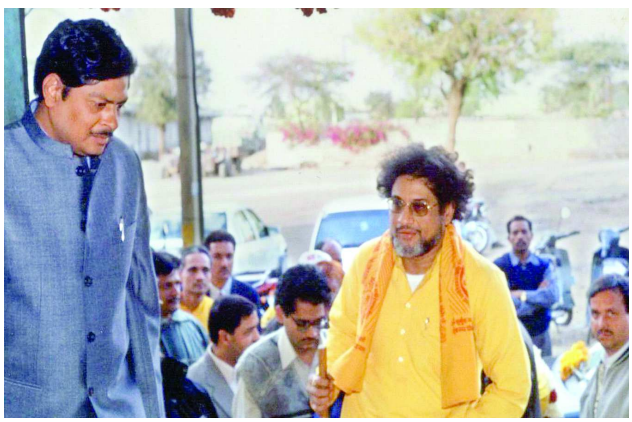
गायत्री परिवार प्रमुख डॉ. श्री प्रणव पंड्या जी का आशीर्वाद हमेशा साथ

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

महान संतों के सान्निध्य का सुअवसर

महानगर टाइम्स कार्यालय में जगद्गुरु शंकराचार्य वासुदेवानंद जी सरस्वती और मुख्य सचिव श्री डी.बी. गुप्ता के साथ

श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के शिखर संत वीतरागी स्वामी वामदेव जी के साथ जयपुर के शास्त्रीनगर आवास पर वरिष्ठ प्रचारक श्री लक्ष्मणसिंह शेखावत के साथ

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से संपर्क-संबंध

हिन्दी में पद की शपथ लेकर चर्चित नेपाल के उपराष्ट्रपति श्री परमानंद झा से लगातार संपर्क बना रहा; काठमांडू में उनसे एक मुलाकात के दौरान

पोर्ट ऑफ स्पेन में सामूहिक भोज के दौरान त्रिनिदाद-टोबैगो की भारतीय महिला शक्ति की प्रतीक भारतीय मूल की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बसेसर के साथ

ज़ॉर्ज टाउन (गुयाना) में भारत की ओर से बनवाए गए क्रिकेट स्टेडियम के लोकार्पण के अवसर पर राष्ट्रपति भरत जगदेव और भारत के उपराष्ट्रपति श्री भैरोंसिंह शेखावत के साथ

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

'ऑपरेशन पिंक' के बुलडोजरों को करवाया बंद

अन्याय और भेदभाव पर आधारित तुगलकी अभियान के खिलाफ नेतृत्व

10 मार्च, 2000

आंखें खोलिए, गहलोत साहब !

गोपाल शर्मा

क्या जयपुर में इमरजेंसी लगी हुई है? ... गुलाबी नगर को 'हैरिटेज सिटी' बनाने के लिए अतिक्रमण हटाने की लोकलुभावना 'डायनासोर कार्रवाई' के दौरान खुलकर ज्यादतियां और भेदभावपूर्ण कार्रवाई हो रही हैं। कानून का राज खत्म हो रहा है और जनता को मूलभूत अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। ... न्यायालय के स्थगन आदेशों की प्रतियां फाड़ी जा रही हैं, निगम-जेडीए के अनुमति पत्रों को हवा में उछाला जा रहा है और दिखाने पड़ों तथा अनुबंध पत्रों को कोई देखने वाला नहीं है। अपनी जिन्दगी भर की कमाई को सामने लुटता देखकर विरोध करने वालों को डंडे मारे जा रहे हैं। बड़बोले मंत्री फौज बुलाकर कथित 'अतिक्रमण' हटाने की धमकी दे रहे हैं और जयपुर के निर्वाचित बोर्ड के अधिकार छीन लिए गए हैं!

आंखें खोलिए, गहलोत साहब! ... इमरजेंसी में यही हुआ था। इस समय सिर्फ जेल खाली हैं; वह भी इसलिए कि जयपुर की मुख्य पार्टी भाजपा मरी हुई है, शहर के ज्यादातर नेता 'दुकानदारी' में लगे हैं और नपुंसक बोर्ड आंखें फाड़-फाड़कर देख रहा है!

स्टेशन के सामने खुला मैदान और चौड़ा हुआ सोडाला सभी को अच्छा लगता है; अतिक्रमण हटने भी चाहिए लेकिन जनता को न्याय के अधिकार से वंचित होते नहीं देखा जा सकता। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के निर्देशों पर नजर डालिए। लोक कल्याणकारी प्रजातांत्रिक शासन में अतिक्रमणकारियों को उठाकर समुद्र में नहीं फेंका जा सकता। सरकार की जिम्मेदारी तो लोगों को (शेष पृष्ठ 12 पर)

जयपुर
स्थानीय समाचार, राष्ट्रीय दृष्टिकोण
महानगर टाइम्स
सांध्यकालीन वर्ष 3 अंक 105 जयपुर, 28 मार्च 2000, मंगलवार पृष्ठ 12 मूल्य 1 रुपया

अधिकतम लाभ उठावें
महानगर टाइम्स में
विज्ञापन लगावें
(विज्ञापन दर मात्र 100 रू. प्रति कालम प्रति सेंटीमीटर)
सम्पर्क : विज्ञापन विभाग
फोन: 741999, 742633

28 मार्च, 2000

ऑपरेशन पिंक के खिलाफ जयपुर की जनता उमड़ पड़ी

जयपुर, 28 मार्च (मसं)। ऑपरेशन पिंक की ज्यादतियों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर जयपुर की जनता आज विधानसभा के बाहर उमड़ पड़ी। हजारों लोगों ने राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए जनभावना का इजहार किया। पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत जनता के बीच आए तो राजस्थान का एक ही सिंह-भैरोंसिंह-भैरोंसिंह के नारों से वातावरण गूंज उठा।

'ऑपरेशन पिंक बन्द करो बन्द करो', तानाशाही नहीं चलेगी नहीं चलेगी, तथा अशोक गहलोत हाय-हाय, घारीवाल हाय-हाय, मंजीत सिंह हाय-हाय के नारों के साथ भाजपा संघर्ष समिति का जुलूस रामनिवास बाग से विधानसभा के लिए रवाना हुआ। जुलूस के साथ चल रहे लोगों में प्रदर्शन के प्रति जोश और उत्साह था तो तोड़फोड़ के खिलाफ दुख और आक्रोश के भाव भी नजर आ रहे थे। जुलूस का अगला सिरा जब बड़ी चौपड़ पर था तो पिछले सिरा बीपूबाजार के बीच में चल रहा था। पूरी सड़क को घेरे लोग नारे लगाते रोने का उपक्रम करते और सरकार को कोसते हुए चल रहे थे। जुलूस का नेतृत्व सांसद गिरधारी लाल भार्गव, महापौर निर्मला वर्मा, पवन शर्मा, कालीचरण सर्राफ, राजपालसिंह, प्रताप सिंह खाचरियावास, रामेश्वर भारद्वाज, पूर्व महापौर मोहनलाल गुप्ता, पूर्व उपमहापौर घनश्याम शर्मा राजापार्क व्यापार मंडल के अध्यक्ष रवि नैय्यर तथा चन्द्र भाटिया और झोटवाड़ा व्यापार मंडल के (शेष पृष्ठ 12 पर)

50 वर्षों में ऐसा जुल्म नहीं देखा : भैरोंसिंह

जयपुर, 28 मार्च (मसं)। पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत का कहना है कि उन्होंने पचास वर्ष के राजनीतिक जीवन में शहर के सौंदर्यीकरण के नाम पर जनता पर इस तरह का जुल्म नहीं देखा। यह (शेष पृष्ठ 12 पर)

विधानसभा घेराव में उमड़ी जयपुर की जनता

- 1998 के विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से सत्ता में आने के बाद मदांध होकर सौंदर्यीकरण के नाम पर तत्कालीन गहलोत सरकार ने मार्च, 2000 में बहुचर्चित 'ऑपरेशन पिंक' चलाया। अफसरों को जयपुर में दमनचक्र चलाने की खुली छूट देकर जिस तरह 'डायनासोर' ने अपने क्रूर पंजों से गरीब-गुरबों, मजदूरों के आशियाने और रोजी-रोटी के ठिकाने उजाड़े उसके खिलाफ सबसे पहला और सशक्त प्रतिकार करने के लिए 'महानगर' आगे आया। एक स्वतंत्र और निर्भीक समाचार पत्र के रूप में 'महानगर' जयपुर की बुलंद आवाज बन गया।
- शासन के अत्याचारों की श्रृंखला पराकाष्ठा को पार कर चुकी थी। पूर्व मुख्यमंत्री श्री भैरोंसिंह शेखावत जैसे जननेता को भी आहत होकर यह कहना पड़ा कि उन्होंने 50 वर्ष के अपने राजनीतिक जीवन में शहर के सौंदर्यीकरण के नाम पर जनता पर ऐसा जुल्म नहीं देखा। महानगर टाइम्स के प्रखर अभियान के कारण भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री भंवरलाल शर्मा आमरण अनशन पर बैठे।
- 'महानगर' की भूमिका का चमत्कृत असर ऐसा रहा कि जयपुर के सामाजिक-स्वयंसेवी संगठनों के साथ ही भाजपा के नेता-कार्यकर्ता सभी संगठित होकर शासन के दमन चक्र का खुला विरोध करने के लिए सीना तानकर खड़े हो गए। आखिरकार जयपुर का हृदय स्थल कही जाने वाली माणक चौक चौपड़ से सरकारी लाव-लश्कर को अपने पंजे पीछे खींचने पड़े। जयपुर के हित में महानगर टाइम्स की सजग भूमिका ने 'सांगठनिक क्षमता' का अहसास करवाया।

ऑपरेशन पिंक के खिलाफ गुस्सा भड़का

*** दो दर्जन दुकानों पर तोड़फोड़ * स्टे को दरगुजर किया * भाजपा ने मोर्चा संभाला**

जयपुर, 25 मार्च (मसं)। हाईकोर्ट से हरी झंडी मिलने के बाद आज सवेरे चारदीवारी में दल-बल समेत घुसे डायनासोरों को छोटी चौपड़ पर जबर्दस्त विरोध के चलते कार्रवाई रोक बीच में ही वापस लौटना पड़ा। चतुर्भुज जी के मंदिर के नीचे खड़े में बैठे फल-सब्जी वालों के साथ आज बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मोर्चे पर डटे हुए थे और जैसे ही 'डायनासोर' चौपड़ पर पहुंचे माहौल गरमा गया और जबर्दस्त नारेबाजी शुरू हो गई। शहर भाजपा के समस्त प्रभावशाली नेता एवं कार्यकर्ता वहां एकजुट थे और सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे। पूर्व मंत्री कालीचरण सर्राफ, राजपालसिंह शेखावत, महापौर निर्मला वर्मा, प्रतापसिंह खाचरियावास, पार्षद सुमन शर्मा, चन्दीराम राघानी, ओम स्वामी, विवेक कालिया, स्वाति परनामी, रमेश मुन्दड़ा, संजय जैन, कुलवंत सिंह, शीला डोडिया, मंजू शर्मा, दुर्गासिंह, अशोक पाण्ड्या, अटल शर्मा सहित करीब पांच सौ से ज्यादा कार्यकर्ता वहां नारेबाजी कर रहे थे। माहौल बिगड़ता देखकर अधिकारियों ने आपरेशन पिंक की कार्रवाई बन्द करवा दी। फल-सब्जी वाले और भाजपा के कार्यकर्ता सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे। निगम के एक अधिकारी द्वारा एक भाजपा कार्यकर्ता के साथ अभद्र व्यवहार करने से तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। भाजपा के नेता और कार्यकर्ता पुलिसकर्मियों से उलझ पड़े। बड़े पुलिस अधिकारियों ने बीच बचाव कर मामला शान्त किया। (शेष पृष्ठ 12 पर)

25 मार्च, 2000

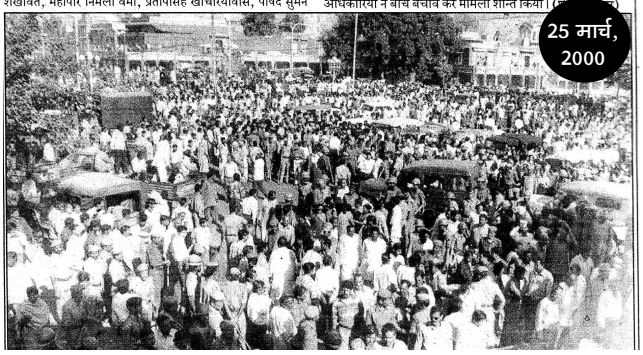
छोटी चौपड़ पर ऑपरेशन पिंक के दौरान उपस्थित जनसमूह

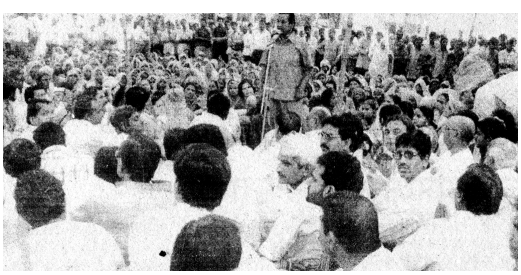
बड़ी चौपड़ पर ऑपरेशन पिंक के खिलाफ भाजपा का धरना

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

पत्रकारिता धर्म का सतत निर्वाह

सती प्रकरण पर उद्वेलित स्वाभिमानी राजपूत समाज

दिवराला सती प्रकरण

हिन्दू समाज विशेषकर राजपूत वर्ग के लिए चुनौतीभरा समय। पत्रिका के विशेष संवाददाता के रूप में हिन्दू स्वाभिमान, सामाजिक समरसता और नव जागरण की समन्वित भूमिका का निर्वाह

गोपाल शर्मा के लेख को पढ़ते श्री अटलबिहारी वाजपेयी

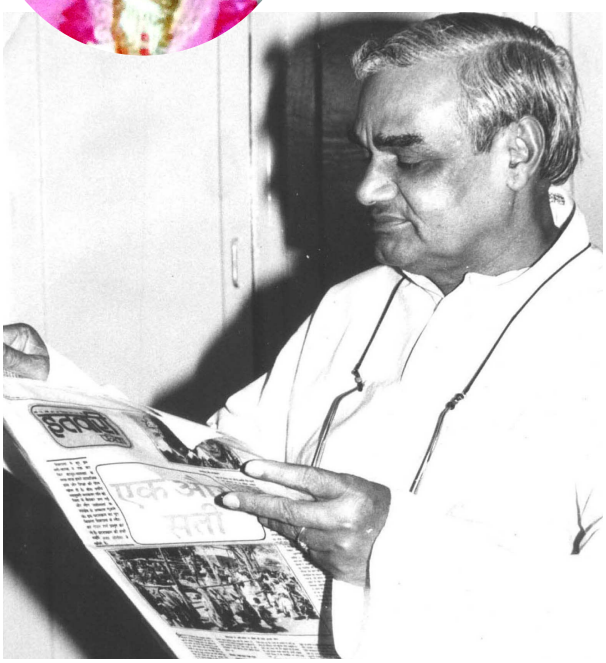

गृह राज्यमंत्री का इस्तीफा

गृह राज्यमंत्री द्वारा हिस्ट्रीशीटर के सम्मान को किया उजागर

- कांग्रेस की शिवचरण माथुर सरकार में भ्रष्टाचार का सिलसिलेवार खुलासा करने के कारण गृह और खनिज राज्यमंत्री लक्ष्मण सिंह रावत को इस्तीफा देना पड़ा।
- लक्ष्मण सिंह रावत ने राजस्थान के विभिन्न खनिज क्षेत्रों में कायदे-कानून को ताक पर रखकर खानें आवंटित कीं और अपने निकटतम लोगों या पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया। पत्रिका संवाददाता के रूप में जनता के समक्ष भ्रष्टाचार के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया।
- कांग्रेस के भीलवाड़ा के कार्यकर्ता और ए श्रेणी के हिस्ट्रीशीटर को लक्ष्मण सिंह ने सार्वजनिक रूप से साफा बांधकर सम्मानित किया। यह खबर प्रकाशित करने के बाद राजनीतिक क्षेत्रों में हलचल मच गई। राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी भी लक्ष्मण सिंह के खिलाफ खड़ी हो गई। आखिरकार, लक्ष्मण सिंह को इस्तीफा देना पड़ा।

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

पत्रकारिता धर्म का सतत निर्वाह

सूपा में बच्चियों का मारा जाना बंद

दादी हुकुम कौर, बच्चियों को जन्म लेते ही मारने का आरोप

- अस्पताल के रिकॉर्ड से बच्चियां पैदा होने की पुष्टि हुई। दूर के रिश्तेदारों ने बच्चियों के मारे जाने के गोपनीय रूप से बयान दिए।
- सूपा कन्या कांड के खुलासे के बाद राजस्थान की राजनीति में तहलका मच गया। विधानसभा ठप हो गई। न्यायालय की भूमिका सक्रिय रूप से सामने आई। इसके परिणामस्वरूप कई पीढ़ियों से बच्चियों के पैदा होते ही मारे जाने की घटना हमेशा के लिए बंद हो गई। अब उस परिवार में बेटियों की किलकारियां गूंज रही हैं।
- कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे बृजेन्द्र सिंह सूपा के परिवार में बच्चियों के पैदा होते ही मारे जाने की घटनाएं सुनी-बोली जाती रहीं। तीन पीढ़ियों में संयुक्त परिवार के कुल 33 बच्चियों को मारे जाने का विषय उठा।
- रिपोर्टर के रूप में सूपा और आसपास के गांवों में वेश और पहचान बदलकर कई दिनों तक सूपा कन्या कांड के प्रत्यक्षदर्शी और दस्तावेजीय सबूत इकट्ठे किए। उस परिवार के बंधुआ मजदूरों से गोपनीय मुलाकातों में रहस्य के पर्दे खुलते चले गए।

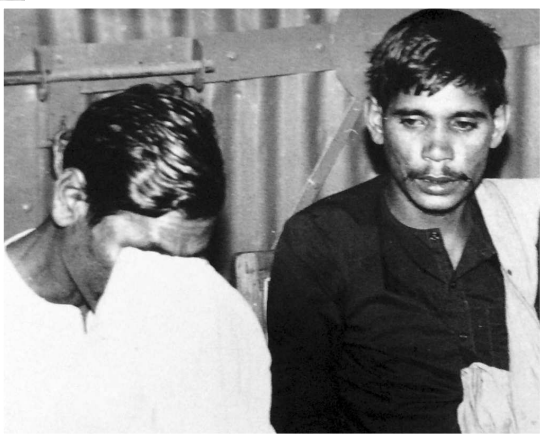
ओमप्रकाश और लक्ष्मण, बंधुआ मजदूर ने खुलवाए रहस्य के पन्ने

50 साल बाद आजाद हुआ मेहरू खुर्द

मेहरू खुर्द के बाशिंदे दर्द भरी व्यथा बयान करते

- सामंती और जागीरदारी आतंक के कारण मेहरू खुर्द आजादी के बाद भी 50 साल तक यंत्रणा और गुलामी का शिकार रहा। कुछ लोगों ने अत्याचार से तंग आकर आत्महत्या कर ली।
- मेहरू खुर्द की घटनाओं का रिपोर्टर के रूप में खुलासा करने के बाद विधानसभा ने इस विषय को मुद्दा बना लिया। पक्ष-प्रतिपक्ष एकजुट हो गए। सरकार की सख्ती और प्रशासन की सक्रियता से आखिरकार मेहरू खुर्द के आतंकी जमींदार को घुटने टेकने पड़े। वहां की जनता गुलामी से मुक्त हुई। इस तरह आजाद हुआ मेहरू खुर्द।

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

पत्रकारिता धर्म का सतत निर्वाह

बीलवाड़ी मुठभेड़ का पर्दाफाश

- जयपुर जिले की पुलिस ने इनाम पाने के लालच में 3 निर्दोष युवकों की रात के अंधेरे में गोली मारकर हत्या कर दी। उन युवकों को उग्रवादी बताया गया। गोली लगने के बावजूद जिंदा बच गए एक अन्य युवक को टाडा में गिरफ्तार करके जेल में बंद कर दिया गया।

- इस घटनाक्रम, संबंधित पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विभिन्न बयानों के आधार पर यह साबित किया कि मृतक उग्रवादी या तस्कर नहीं थे। वे निरपराध थे और उन्हें नजदीक से राइफलें सटाकर गोली मारी गई। पहचान बदलकर अजमेर जेल में बंद प्रत्यक्षदर्शी से किए गए इंटरव्यू ने पूरे घटनाक्रम को सिलसिलेवार ढंग से सामने रख दिया।

- गोली मारने वाली पुलिस टोली गिरफ्तार की गई। एसपी से लेकर स्थानीय थानाध्यक्ष तक सभी निलंबित किए गए।

मृतक सुल्तान

मृतक हरिराम की पत्नी, पुत्र और पुत्री

तिमनगढ़ की तस्करी

- जैन-बौद्ध समेत हिन्दू परंपरा के प्रमुख केंद्र तिमनगढ़ की बहुमूल्य धरोहर हैलीकॉप्टरों के जरिए तस्करी की गई। हजारों मूर्तियां उठा ले गए।
- डाकुओं के डेरा डालने और बाघिन के ब्याहे जाने के बावजूद तिमनगढ़ की तस्करी का खुलासा किया।

आईएएस की पहली गिरफ्तारी

- भ्रष्टाचार के प्रकरण का सिलसिलेवार ढंग से खुलासा करने के कारण देश में पहली बार किसी आईएएस की गिरफ्तारी जयपुर में हुई। आईएएस फर्जी बीमारी का बहाना बनाकर अस्पताल में भर्ती हो गया। इसके सबूत भी छापे कि अफसर बीमार नहीं है।

- आईएएस ने ट्रेनिंग देने की नकली संस्थाओं का जाल खड़ा करके उनको दी जाने वाली सहायता राशि बीच में ही हड़प ली थी। इस प्रकरण में एफआईआर दर्ज होने से लेकर उसकी गिरफ्तारी तक पूरे रहस्योद्घाटन को पत्रिका संवाददाता के रूप में प्रकाशित किया।

बी.के.मीणा गिरफ्तार

— गोपाल शर्मा —

की रक्त जांचों और शनिवार को सुबह एन्डोस्कोपी और गैस्ट्रोस्कोपी की जांचों से निष्कर्ष निकला कि मीणा को न तो हृदय रोग है और न ही उनके अल्सर या कोई घाव वगैरह है। तब अस्पताल की ओर से भ्रष्टाचार निरोधक विभाग को सूचना भिजवाई गई कि मीणा बीमार नहीं हैं तथा उन्हें छुट्टी दी जा रही है।

इस सूचना पर भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के अधिकारियों जी.पी. नाग, एम.एल. चड्ढा, दिनेश शर्मा के नेतृत्व में 5-6 गाडियों में भरकर पुलिसकर्मी वर्दी और सादे वेश में दुर्लभजी अस्पताल पहुंचे। उस समय मीणा का 'डिस्चार्ज टिकट' बनवाया जा रहा था। उसी समय ये अधिकारी सघन चिकित्सा इकाई में पहुंचे तथा पहले से तैयार हो रहे बी.के. मीणा को कहा, "आप अब गिरफ़्तार हैं।" मीणा पुलिस अधिकारियों के साथ चलकर नीचे उतरे तथा पोर्च में तैयार खड़ी पुलिस अधीक्षक की गाड़ी में बैठकर भ्रष्टाचार निरोधक विभाग पहुंचे।

बी.के. मीणा की गिरफ़्तारी के लिये "स्थायी वारंट" जारी

-गोपाल शर्मा-

जयपुर, 3 जून। भारतीय प्रशासनिक सेवा के फरार एवं निलम्बित अधिकारी बी.के. मीणा को गिरफ़्तार करने के लिए न्यायालय से "स्थायी वारंट" जारी हो गया है वहीं राजस्थान पुलिस विभाग भी मीणा की गिरफ़्तारी के लिए भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के साथ तेजी से जुट गया है।

विश्वस्त सूत्रों से पता चला है कि जयपुर जिला ग्रामीण विकास अभिकरण में हुए एक करोड़ पांच लाख रुपए से ऊपर के घोटाले में निलम्बित आई.ए.एस. अधिकारी बी.के. मीणा को गिरफ़्तार

जांच में बी.के. मीणा के कोई बीमारी नहीं पाई

भ्रष्टाचार निरोधक विभाग का सभी जिला शाखाओं को टेलीफोन

के. मीणा जहां मिलें, गिरफ़्तार कर लिया जाये

एक करोड़ के घोटाले पर लीपा

• गोपाल शर्मा

फर्जी रिकार्ड से धोखाधड़ी

95 लाख रु. हड़प लिये

गोपाल शर्मा

जयपुर, 15 दिसम्बर। अनुसूचित जाति के बेरोजगारों के प्रशिक्षण के लिए खर्च की जाने वाली राशि में से 95.52 लाख रुपए एक कनिष्ठ

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

पत्रकारिता धर्म का सतत निर्वाह

बंद हुआ नरबलियों का सिलसिला

स्कूल से आ रहे बच्चे का अपहरण कर लिया गया और उसकी बिगोद गांव में नरबलि दे दी गई। सदमे में डूबे बच्चे के माता-पिता। राजस्थान में उस दौरान नरबलि की कई घटनाएं हुईं।

भीलवाड़ा जिले में गिरफ्तार किए गए नरबलि के अभियुक्त

- भीलवाड़ा जिले के बिगोद गांव में एक बच्चे की नरबलि के बारे में की गई रिपोर्टिंग ने कड़ियां इस तरह खोलीं कि कई बच्चों की नरबलियों की घटनाएं सामने आईं। सिलसिलेवार ढंग से किए गए खुलासे के कारण पुलिस सक्रिय हुई और उसके बाद नरबलि की घटनाएं बंद हुईं।
- अंधविश्वास और विभिन्न तरह की लालसाओं ने लोगों को इस कदर अंधा बना रखा था कि मासूमों की हत्या करने से भी नहीं चूके। आश्चर्य यह था कि हत्यारों को इतने घृणित कांड को अंजाम देने का भी अफसोस नहीं था।

बीसलपुर विस्थापितों को न्याय

- बीसलपुर बांध के विस्थापितों को न्याय मिलने में माध्यम बनने से सैकड़ों गरीब लोगों को जमीनें मिलीं।
- रिपोर्टर के रूप में 2 दर्जन गांवों का दौरा करके यह रहस्योद्घाटन किया कि बीसलपुर बांध के विस्थापितों को किए गए भूमि आवंटन का लाभ मूल विस्थापितों तक नहीं पहुंचा। प्रभावशाली लोगों ने मूल विस्थापितों के नाम वाली जमीनें बीच में हड़प लीं और कब्जा कर लिया। यहां तक कि जिनकी जमीनें थीं, वे वहां मजदूर के रूप में काम कर रहे थे।
- सीरीज के रूप में बीसलपुर विस्थापितों के पुनर्वास में हुए जबर्दस्त घोटाले के पर्दाफाश के बाद मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी बनी। परिणाम यह निकला कि सैकड़ों विस्थापितों को उनके नाम आवंटित जमीनें प्राप्त हुईं और उनके घरों की खुशियां लौटीं।

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

समय की शिला पर हस्ताक्षर

15 अक्टूबर, 2011

नरेन्द्र मोदी ही भविष्य का सशक्त चेहरा

'..सक्षम व्यक्तित्व के रूप में सिर्फ एक नाम उभरता है.. नरेन्द्र मोदी। मोदी में विश्व नेता बनने की सामर्थ्य है। वे इंदिरा गांधी के सशक्त नेतृत्व को और आगे बढ़ाने वाले साबित होंगे; वे वाजपेयी की तरह उदारवादी नहीं माने जाते लेकिन उदारवादी वाजपेयी को भी विरोधी दलों ने कब स्वीकार किया! उम्मीद जगती है कि जिस तरह सरदार पटेल ने राज्यों को एकीकरण करवाकर सशक्त भारत की बुनियाद रखी, उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मोदी आतंकवाद मुक्त भारत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर सकते हैं। पाकिस्तान तो मोदी जैसे नेतृत्व के रहते आंखें दिखाने की सोच भी नहीं सकता। मोदी भारत का सशक्त चेहरा हैं; उनका स्वागत होना चाहिए। ..ऐसे नेता की अनदेखी नहीं होनी चाहिए, जो देश के बड़े और सामर्थ्यशाली राज्यों में से एक प्रदेश में 10 सालों से मुख्यमंत्री बनने वाला अकेला राजनेता हो; जिन्हें नंबर-1 मुख्यमंत्री माना जाता हो; जो भ्रष्टाचार-चरित्रहीनता के आम आरोपों से अब तक सर्वथा दूर हों।

आतंकवाद को कुचलने में सक्षम
संपादकीय, महानगर टाइम्स

13 सितंबर, 2001

संसद पर हमले की आशंका

'..अमरीका की चिंता में आंसू बहाने की बजाए देश में जरूरत इस बात की है कि भारत की सुरक्षा पर चिंतन हो, उसकी तैयारी की जाए और हम अपनी कमजोरियों को दूर करके छिद्रविहीन व्यवस्था लागू करने की कोशिश करें। अब यह असंभव नहीं लगता कि यदि पाकिस्तान-तालिबान वगैरह ने चीन जैसे शक्तिशाली देश की शह पर भारत में किसी ऐसे षडयंत्र को अंजाम दे दिया, तो हम तो न राष्ट्रपति भवन-प्रधानमंत्री निवास को बचाने की स्थिति में हैं और न सांसदों से भरी हमारी संसद को; अन्य स्थलों की तो बात ही क्या है! हालांकि गगनचुंबी इमारतों पर ऐसे हवाई हमले ज्यादा सटीक होते हैं, लेकिन भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए तो उतने बड़े षडयंत्र की भी जरूरत नहीं है। भारत को भगवान भरोसे छोड़ने से काम चलने वाला नहीं है; यह राष्ट्रवाद के जागरण का समय है।'

भारत के सावधान रहने का समय
संपादकीय, महानगर टाइम्स

5 दिसम्बर, 1992

विवादित ढांचा देखते ही कारसेवक उत्तेजित

'विश्व हिंदू परिषद के नेताओं ने शनिवार की शाम तक जिस ढंग से रणनीति बनाई है, उससे लगता है कि वे संशय बनाकर रखना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि 6 दिसम्बर को कारसेवा हो और देश भर के लोगों को यह लगे कि कारसेवा हो गई, लेकिन कानूनी दांवपेंचों से उन्हें यह कहने का मौका मिल जाए कि न्यायालय की अवमानना नहीं की गई। विश्व हिंदू परिषद द्वारा कारसेवा करने की बार-बार घोषणा के बावजूद कारसेवकों में इस बात का संशय बना हुआ है कि कारसेवा किस रूप में होगी। प्रमुख कार्यकर्ता भी इस बात को लेकर शंकित हैं कि रविवार को न जाने क्या हो। विश्व हिंदू परिषद से जुड़े अधिकांश साधु-संत किसी भी प्रकार के दांवपेंच के खिलाफ हैं और युवा कारसेवक विवादित ढांचा देखते ही उत्तेजित हो उठते हैं। अनेक कारसेवकों ने सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना को हिंदू स्वाभिमान से जोड़ रखा है।'

कारसेवा के स्वरूप को लेकर संशय
राजस्थान पत्रिका, पृष्ठ 1

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान

- 1989 में राजस्थान स्तर पर राजस्थान पत्रकार संघ (जार) का पुनर्गठन पत्रकार हितों और ध्येयपूर्ण पत्रकारिता की दृष्टि से महत्वपूर्ण घटना रही। लगातार तीन बार महामंत्री रहने के बाद 1995 में गोपाल शर्मा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। राजस्थान में वह काल पत्रकार संगठन की दृष्टि से स्वर्णिम माना जा सकता है।
- गोपाल शर्मा के संयोजकत्व में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) का तीन दिवसीय द्विवार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन (7-9 दिसम्बर, 1995) सहभागिता, व्यवस्था और अनुशासन के लिहाज से ऐतिहासिक सिद्ध हुआ।
- राष्ट्रीय अधिवेशन में श्री अटलबिहारी वाजपेयी समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और श्री भैरोंसिंह शेखावत ने अधिवेशन का उद्घाटन किया।
- इस अधिवेशन की विशेषता यह रही कि समापन सत्र में मुख्यमंत्री होते हुए भी श्री भैरोंसिंह शेखावत सभी मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के साथ श्रोताओं में बैठे; जबकि पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवचरण माथुर मंच पर उपस्थित थे। वहीं, धुर विरोधी होते हुए भी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और युवक कांग्रेस ने मिलकर राष्ट्रीय अधिवेशन की व्यवस्थाओं को संभाला। सामान्य प्रचलन के बावजूद राष्ट्रीय अधिवेशन के आयोजन में सरकार से कोई सहयोग नहीं लिया गया।

जयपुर के सूचना केन्द्र में आयोजित कानमल ढड्ढा व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर के साथ जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष के रूप में पत्रकारों की समस्याओं के संदर्भ में चर्चा करते हुए

राज्यपाल श्री बलिराम भगत के समक्ष ज्ञापन पढ़ते; साथ में श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष श्री कैलाश मिश्र और प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री विश्वास कुमार

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स का राष्ट्रीय अधिवेशन

देश भर के श्रमजीवी पत्रकारों का जयपुर में अब तक का सबसे बड़ा सम्मेलन

समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ (बाएं से) श्री बलवीर पुंज, गोपाल शर्मा, श्री शिवचरण माथुर और श्री एच.के. दुआ

अधिवेशन के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री भैरोंसिंह शेखावत के साथ जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित

एनयूजेआई (इंडिया) के राष्ट्रीय अधिवेशन की संख्या देखकर मुझे लगता है कि प्रिंट मीडिया के लिए कोई खतरा नहीं है। मैं आपके संगठन को बधाई देना चाहता हूं, यह संगठन निरंतर शक्तिशाली हो रहा है और पत्रकारों का प्रतिनिधि संगठन बन रहा है। आप जहां राजनीतिक दलों की आलोचना करें, वहां अपना घर किस तरह से ठीक रखा जाए, इस पर भी चर्चा करें और इस पर भी सही फैसले करें। मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

- अटल बिहारी वाजपेयी

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

पत्रकार हितों के लिए सजग

श्रीगंगानगर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए

नाथद्वारा के पत्रकार सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में

चित्तौड़गढ़ जिला पत्रकार संघ के सम्मेलन में

जयपुर में पत्रकार हितों के लिए सिविल लाइंस पर प्रदर्शन

राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए

सीकर में महर्षि नारद जयंती पर संबोधन

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

महानगर टाइम्स का लोकार्पण

23 नवंबर, 1997

निवेदन

अंधियारा होने से पहले खबरों की रोशनी लेकर उपस्थित हो रहा है सायंकालीन दैनिक जयपुर महानगर टाइम्स। पत्रकारिता के फलक पर छाए कुहासे और शोर के प्रदूषित माहौल में गोधूलि के पवित्र वातावरण का अहसास कराने के संकल्प के साथ। एक ऐसे अखबार का स्वप्न साकार करने का प्रयत्न किया जा रहा है जो विश्वप्रसिद्ध गुलाबी नगर का जागरूक प्रहरी हो तथा जयपुर की आवाज बन जाए। लोग स्याही से छपे हरफों में अपनी भावना को मुखरित होता देखें तथा जनता को लगे कि यह उनका अपना अखबार है।

समाचार पत्रों की कड़ी प्रतिस्पर्धा के दौर में बड़े पूंजीपतियों के अलावा अन्य किसी का अस्तित्व बनाये रख पाना मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद हर तूफान से टकरा जाने का साहस जुटाकर अखबार निकालने का बीड़ा उठाया है।

'महानगर टाइम्स' व्यावसायिक सोच का प्रतिफल या लाभ कमाने के उद्देश्य से शुरू किया गया धंधा नहीं है। इसके पीछे सोच है- निष्पक्ष, राष्ट्रीय और विश्वसनीय अखबार निकालने का। पत्रकारिता के पेशे को निष्पक्ष बनाए रखने की पक्षधर टीम ने जयपुर की जनता पर पूरा भरोसा करके एक सम्पूर्ण व जवाबदेह अखबार निकालने का बीड़ा उठाया है। इस कोशिश में न तो किसी जोखिम की परवाह है और न आने वाली चुनौतियों का कोई भय है। जयपुर की जनता की आवाज को मुखर तरीके से बुलंद करने की तमन्ना है और हर दु:खी की पीड़ा में सहारा बनने की लालसा है। कोई पीड़ित या दु:खी अखबार के दफ्तर की सीढ़ियों पर चढ़ेगा तो उसे लगेगा कि वह अपने सहयोगियों के पास जा रहा है। प्रकाशनों का शुरू होना और बंद होना सिर्फ पैसे पर निर्भर नहीं है। अम्बानी और डालमिया के अखबार नहीं चल पाए तथा जैन ग्रुप के अखबार भी बंद होते रहे हैं। जनभावना की अभिव्यक्ति के बूते पर ही 'इण्डियन एक्सप्रेस' आपातकाल की चुनौती से टक्कर सका था। बस एक ही संकल्प है कि अखबार की कलम को न तो कोई खरीद सके, न झुका सके। जयपुर के लोगों की भावना को ध्यान में रखकर महानगर टाइम्स आकार ले रहा है तथा यह यहां के लाखों लोगों की आवाज बन जाए यही कामना है।

हमारी कोशिश रहेगी कि गुलाबी नगर की जनता को स्वर मिले, उसका आत्मसम्मान कायम हो और इन्सान की कीमत समझी जाए। अत्याचार के खिलाफ लोग जागरूक हों और एक दूसरे की पीड़ा को महसूस करें। महानगर के रूप में करवट लेता गुलाबी नगर प्रगति-पथ पर अग्रसर रहे और कोई टेढ़ी आंख करके इसकी ओर नहीं देख सके। जनता से जुटाए गए तेल से हम यह दिया जलाने का प्रयत्न कर रहे हैं जो टिमटिमाता हुआ भी सतत् रोशनी देगा। हम आपके भरोसे को कायम रखेंगे। इस अखबार में आपको न तो परायेपन का अहसास होगा और न घमंड का। यह आपका अपना अखबार होगा। हमारे विनम्र प्रयास को आपकी शुभकामनाओं की हमेशा आवश्यकता रहेगी।

— गोपाल शर्मा

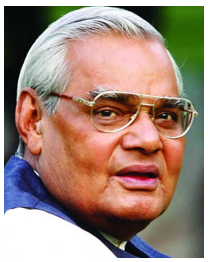

मुझे जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि टेबुलॉयड सांध्यकालीन दैनिक के रूप में जयपुर महानगर टाइम्स प्रारंभ हो रहा है। इसकी सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करें।

-अटलबिहारी वाजपेयी

लोकार्पण समारोह बना संकल्प दिवस

सफलता की कामना : संगमा

मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि गोपाल शर्मा और उनके साथी मिलकर जयपुर में एक बड़ा अखबार शुरू कर रहे हैं और इसके लोकार्पण के लिए मुझे जयपुर बुलाया गया है। गोपाल शर्मा को इस महत्वाकांक्षी और साहसिक कार्य के लिए मैं बधाई देता हूं। महत्वाकांक्षी और साहसिक कार्य इसलिए कि अखबार शुरू करना और चलाना कोई आसान काम नहीं है।

अखबार की जो विस्तृत परिकल्पना बताई, उसके कारण ही मुझे पूरा संतोष हुआ। मैं इसे गजब की आदर्शवादिता मानता हूं। इसके लिए मैं इन्हें हार्दिक बधाई देना चाहता हूं और इनके सौभाग्य और सफलता की कामना करता हूं।

राजनीति का अपराधीकरण बंद हो : शेखावत

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के वर्चस्व के खतरे के प्रति पत्रकारों को सावचेत करते हुए कहा कि अखबारों से संबद्ध लोग इस दिशा में सावधान नहीं रहे तो पूरे समाज पर बुरा असर पड़ेगा। अखबारों में बड़ी ताकत होती है। उन्हें राजनीति के अपराधीकरण के खिलाफ मोर्चा खोलना चाहिए, तभी यह बुराई समाप्त होगी। लेकिन यह केवल चर्चा कर लेने से नहीं होगा।

समाचार पत्रों में विश्वास : गहलोत

समाचार पत्र लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। यह तभी मजबूत बन सकता है, जब लिखने वालों को पूरी स्वतंत्रता मिले। बड़े समाचार पत्रों के मालिक तक पत्रकारों की आजादी की रक्षा नहीं कर पाते हैं। लिखने वालों की ही विश्वसनीयता से ही समाज को नई राह मिलती है। लोगों का समाचार पत्रों में आज भी पूरा विश्वास कायम है।

चुनौती भरा कार्य : प्रभाष जोशी

राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में देखें, तो क्या गोपाल शर्मा 'दो तोपों' के बीच अपना अखबार निकाल पाएंगे? दोनों अखबारों के बीच व्यापारिकता की होड़ को और तेज करेंगे या यह साबित करेंगे कि सच्ची पत्रकारिता का व्यावसायिकता से कोई लेना–देना नहीं है? सच्ची पत्रकारिता वह है, जो पाठकों के लिए की जाए।

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

महानगर टाइम्स का लोकार्पण

23 नवंबर , 1997 को जनता की आवाज उठाने के दृढ़ संकल्प के साथ महानगर टाइम्स का लोकार्पण करते श्री भैरोंसिंह शेखावत और श्री पी.ए. संगमा

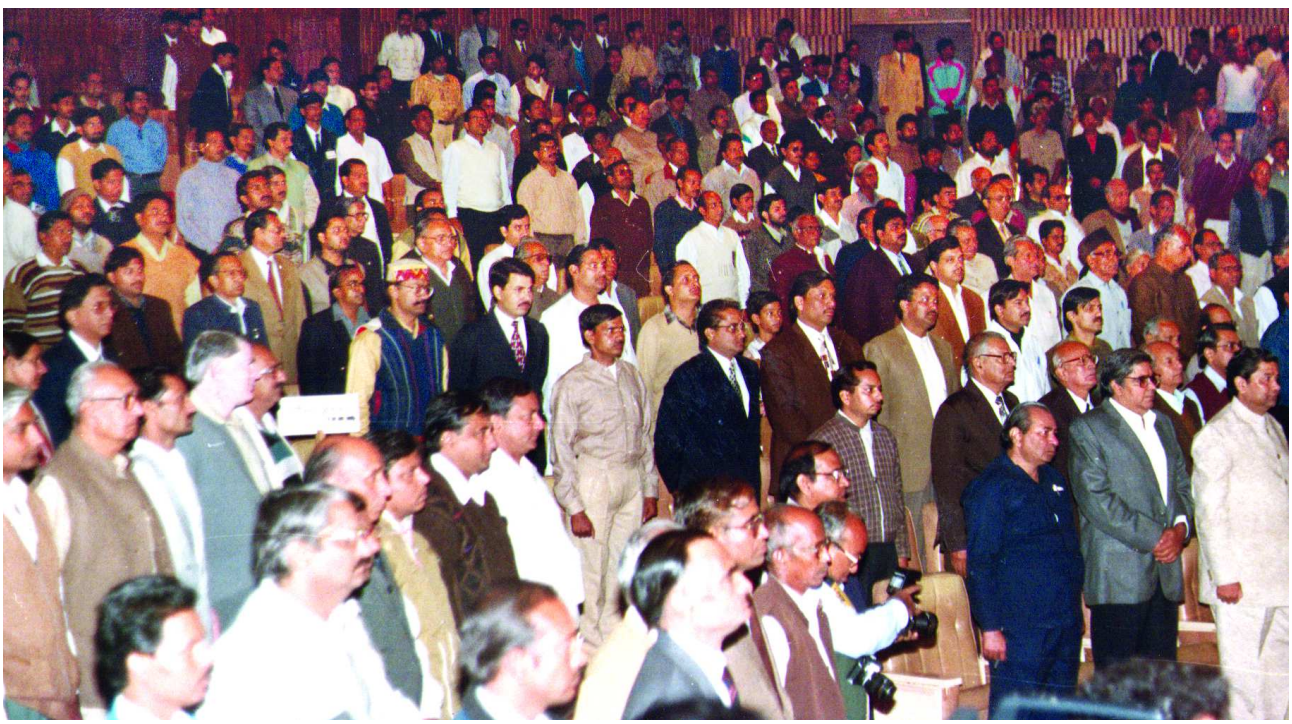
बिड़ला ऑडिटोरियम में जयपुर के विभिन्न वर्गों के गणमान्य नागरिक इस संकल्प समारोह के साक्षी बने

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

जयपुर में ऐतिहासिक विप्र महाकुंभ-2012

सामाजिक समरसता का संकल्प लिए विप्र महाकुंभ के मंच पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मुरलीमनोहर जोशी, केन्द्रीय रेलवे मंत्री सी.पी. जोशी और मुख्य संयोजक गोपाल शर्मा सहित राजस्थान के प्रमुख नेतागण

विप्र महाकुंभ में राजस्थान के कोने-कोने से पहुंची ब्रह्मशक्ति

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

जयपुर में ऐतिहासिक विप्र महाकुंभ-2012

● भारतीय इतिहास में विजय दिवस के रूप में दर्ज ऐतिहासिक तारीख 16 दिसम्बर राजस्थान के लिए भी एक स्वर्णिम अध्याय लिख गई। 16 दिसम्बर की तारीख जयपुर के भवानी निकेतन में उमड़ी अद्‌भुत, अद्वितीय विप्र शक्ति के महाकुंभ से बेमिसाल बन गई। भवानी निकेतन में महाकुंभ के लिए बनाए गए पांडाल में करीब दो लाख लोग अपने हक के लिए उमड़े और इतने ही

लोग जयपुर की सीमा और सीकर रोड पर जयघोष कर रहे थे। महाकुंभ के लिए यह सुखद क्षण था कि इस विशाल विप्रशक्ति में 90 फीसदी युवा थे। इन युवाओं में समाज पर हो रहे अत्याचार और आरक्षण की वर्तमान स्थिति पर आक्रोश साफ झलक रहा था। महाकुंभ के मंच से जब सभी पार्टियों और समाज के नेताओं ने एक स्वर में बाह्मण अधिकारों की बात की तो युवा तरुणाई में आशा की नई किरण दैदीप्यमान होती नजर आई। शेखावाटी के सीकर, चूरू, झुंझुनूं, बीकानेर हो या अजेयमेरू, मत्यस्य क्षेत्र हो या फिर वीरों की धरती उदयपुर, चित्तौड़ अथवा बृज क्षेत्र से सटे भरतपुर-धौलपुर या हाडौती अंचल के कोटा, बूंदी, झालावाड़ और बारां या डांग क्षेत्र करौली-सवाई माधोपुर सभी जिलों से उमड़े अपार जनसमूहों के काफिलों का मुंह भवानी निकेतन की ओर बढ़ता नजर आ रहा था। ब्राह्मण जातियों के सभी संगठन, समूहों को एकता के बैनर तले एक संकल्प सूत्र में पिरोकर रचे गए इस इतिहास से एक नए भविष्य का स्वप्न साकार होता नजर आने लगा है। देश के दूरदराज राज्यों से रणबांकुरे वीरों की धरा राजस्थान में ब्राह्मण शक्ति के विराट स्वरूप का दर्शन करने आए। प्रवासी राजस्थानी उद्योगपति, नामचीन व्यापारिक समूह, आयोजकों को इस सफल आयोजन पर बधाई देते नजर आए।

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

जयपुर में ब्रह्मशक्ति का शंखनाद

सामाजिक समरसता के लिए 2008 में अमरूदों के बाग में महासम्मेलन

सामाजिक समरसता के आह्वान के साथ 'जब-जब ब्राह्मण बोला है, राजसिंहासन डोला है' के गगनभेदी नारों के बीच जयपुर में ब्रह्मशक्ति सम्मेलन

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

जयपुर में ब्रह्मशक्ति का शंखनाद

ब्रह्मशक्ति सम्मेलन में युवा शक्ति का जोश..युवा ब्राह्मण प्रतिनिधियों ने जोशीले नारों और शक्ति के प्रतीक दिखाकर किया ब्रह्मशक्ति का आगाज

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में प्रथम पूज्य को निमंत्रण

सम्मेलन स्थल अमरूदों का बाग में भूमि पूजन

सम्मेलन की तैयारियों के अंतर्गत कर्मचारी नेताओं का आह्वान

जमवारामगढ़ में परशुराम युवा मंच ने संभाला मोर्चा

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

जयपुर में ऐतिहासिक विप्र महाकुंभ

राजस्थान के इतिहास में ब्राह्मण समाज ने लिखा स्वर्णिम अध्याय; संगठित ब्राह्मण-सामाजिक समरसता-समर्थ राष्ट्र का नया संदेश; अत्याचारों के विरोध में संघर्ष का खुला ऐलान

आरक्षण नीति के खिलाफ उमड़ा आक्रोश; आरक्षण समाप्ति की आदर्श स्थिति से पूर्व सवर्णों खातिर 14 फीसदी तत्काल आरक्षण की मांग; मंदिर माफी

देशभक्ति का संदेश

भवानी निकेतन में आयोजित विप्र महाकुंभ ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया । मुख्य मंच के पास बनाए गए सामाजिक समरसता मंच पर विभिन्न समाजों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने ब्राह्मण समाज के साथ स्वयं को खड़ा कर सामाजिक सद्भाव की मिसाल कायम की । मंच पर प्रेमसिंह बाजौर, पूर्व आवासन मंडल अध्यक्ष अजयपाल सिंह, पूर्व अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष जसवीर सिंह, श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के महामंत्री सुभाष सिंगी, प्रदेश पंजाबी महासभा के जिला अध्यक्ष रवि पैन्थर, अग्रवाल समाज के गणेश राणा, अरूण अग्रवाल, खण्डेलवाल समाज के सोहन तांबी, पार्षद देवेन्द्र सिंह (शंटी, पूर्व पार्षद धलदेव सिंह, राजस्थान टैंट डीलर समिति के अध्यक्ष रवि जिंदल, प्रकाश चन्द्र गुप्ता, जायसवाल समाज के जे.पी. जायसवाल, चन्द्रकांत जायसवाल, मानिक जालान, पुरूषोत्तम मुरारका,

जयपुर में ब्रह्मशक्ति का शंखनाद

राजधानी में ब्रह्मशक्ति का ब्रह्मघोष

फूट का फायदा राजनीतिक दलों को न उठाने देने का संकल्प

'ब्रह्मशक्ति' ने की राजनीतिक आरक्षण की मांग

ब्रह्मशक्ति की ललकार

संगठित ब्राह्मण ही सामाजिक समरसता की गारंटी : गोपाल शर्मा

'ब्रह्मशक्ति का आगाज

ब्राह्मणों की मजबूती राष्ट्रहित में : लीलाकरण

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

सामाजिक समरसता के लिए विप्र शक्ति की पहल

जयपुर में पं. चंद्रभानु शर्मा ब्राह्मण छात्रावास का लोकार्पण.. पं. चितरंजन शर्मा, श्रीमती वसुंधरा राजे, डॉ. मुरलीमनोहर जोशी, श्री भंवरलाल शर्मा के साथ

जयपुर में युवा ब्रह्मशक्ति का आयोजन

झुंझुनूं जिला ब्राह्मण सम्मेलन को संबोधन

पाली जिला ब्राह्मण सम्मेलन में सम्मान

आकस्मिक सूचना पर एकजुटता का संदेश

अ.भा. वैष्णव समाज अधिवेशन में सम्मान

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

दुधमुंहे बच्चे लिए विधवाओं को देख लोगों की आंखें बहने लगीं

कारगिल शहीद की वीर विधवा को सम्मानित करते राज्यपाल श्री अंशुमान सिंह और केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री जसवंत सिंह

कैप्टन अमित भारद्वाज के माता-पिता का सम्मान

- कारगिल के युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देकर राजस्थान की गौरवशाली परम्परा को रक्त से सींचने वाले रणबांकुरों के परिजनों के सार्वजनिक अभिनन्दन समारोह में जयपुर का प्रबुद्ध वर्ग उमड़ पड़ा। खचाखच भरे बिड़ला ऑडिटोरियम में कारगिल युद्ध के सभी 71 शहीदों के परिजन पहली बार एक साथ एकत्रित थे। दुधमुंहें बच्चों को गोद में लेकर आई शहीदों की वीर पत्नियां मंच पर सम्मान ग्रहण करने बढ़ीं तो उपस्थित जनसमूह करीब एक घंटे तक लगातार तालियों की गड़गड़ाहट से उनका अभिनंदन करता रहा।

- महानगर टाइम्स द्वारा आयोजित इस समारोह में केन्द्रीय रक्षा मंत्री जसवंत सिंह, राज्यपाल अंशुमान सिंह, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत, केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री सुभाष महरिया, सैनिक कल्याण मंत्री डॉ. चन्द्रभान उपस्थित थे। हर शहीद परिवार को 51 हजार रूपए की एफ.डी. दी गई। धातु पर बना हुआ प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया।

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

राजस्थान के सभी 71 परिवारों को 51-51 हजार की राशि समर्पित

देश का एकमात्र समारोह, जिसमें प्रदेश के सभी शहीद परिवार एक साथ उपस्थित हुए

श्री जसवंत सिंह, श्री जसदेव सिंह, श्री अशोक गहलोत, श्री अंशुमान सिंह, श्री भैरोंसिंह शेखावत, श्री सुभाष महरिया, डॉ. चंद्रभान के साथ

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

बिड़ला ऑडिटोरियम में उपस्थित जयपुर के प्रबुद्ध नागरिक गण

- शहीदों के प्रति सम्मान और आदर का जज्बा इस कदर था कि बिड़ला सभागार में शहीदों के परिजनों को सम्मानित करने के दौरान पूरे पौन घंटे तक बिड़ला सभागार में तालियां बजती रहीं। ज्योंही उद्घोषक द्वारा शहीद का नाम पुकारा जाता और परिजन सम्मान ग्रहण करते, तालियों की गड़गडाहट और तेज हो जाती।

वंदेमातरम के गायन से पैदा हुआ देशभक्ति का जज्बा

- जिन कुछ शहीदों की पत्नियां नहीं पहुंचीं, उनके माता-पिता या भाई सम्मान ग्रहण करने आए। वे ऊंचा मस्तक करके मंच पर चढ़े तो लोगों का सीना गर्व से चौड़ा हो गया और सबका हृदय पुकार-पुकार कह रहा था-हमें आप पर गर्व है, आपने ऐसे सपूत को पैदा किया जिन्होंने अपना मस्तक दे दिया लेकिन भारत माता का भाल नहीं झुकने दिया।

राजापार्क में आयोजित कार्यक्रम में श्री अंशुमान सिंह, श्री भवानी सिंह और अन्य

- महानगर टाइम्स की ओर से कारगिल शहीद समर्पण निधि की स्थापना करके सघन एकत्रिकरण अभियान चलाया गया। विभिन्न मोहल्लों में बड़े कवि सम्मेलन आयोजित किए गए। सभी स्थानों पर राज्यपाल श्री अंशुमान सिंह और जयपुर के पूर्व महाराजा ब्रिगेडियर भवानी सिंह उपस्थित थे।

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

जलियांवाला बाग शहादत स्मृति

जयपुर के जवाहर कला केन्द्र सभागार में जलियांवाला बाग शहादत दिवस पर समारोह .. पद्मश्री डॉ. अशोक पानगड़िया और प्रो. मृदुला मुखर्जी

- स्वातंत्र्य समर स्मृति संस्थान की स्थापना का उद्देश्य भारत के गौरवशाली स्वतंत्रता संग्राम और उसके लिए समर्पित हमारे यशस्वी शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और उनकी स्मृति का जन-जन में प्रचार-प्रसार करना और राष्ट्र के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान की भावना को आगे बढ़ाना है।
- स्वातंत्र्य समर स्मृति संस्थान का मानना है कि स्वतंत्रता सेनानियों-शहीदों के सपने अभी पूरे नहीं हुए हैं। जिन सपनों के लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपार कष्ट और आत्मत्याग के साथ जीवन उत्सर्ग किया था, उसके अनुरूप भारत का निर्माण होना शेष है।

23 मार्च को बलिदान दिवस पर जयपुर के स्टेच्यू सर्किल पर देशभक्ति के गीतों से राष्ट्रभक्ति का माहौल उमड़ पड़ा

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

जयपुर के स्वतंत्रता सेनानियों का अभिनंदन

राज्यपाल श्री राम नाईक के साथ श्री गोविन्द नारायण खादीवाला, श्री अमर नारायण माथुर, श्री लक्ष्मीनारायण झरवाल और श्री लक्ष्मीचंद बजाज

- स्वातन्त्र्य समर स्मृति संस्थान के तत्वावधान में भारत छोड़ो दिवस की स्मृति में चैम्बर ऑफ कॉमर्स भवन में जयपुर के सभी जीवित स्वतंत्रता सेनानियों का नागरिक अभिनंदन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री राम नाईक थे।
- इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी श्री लक्ष्मीनारायण बजाज, श्री अमरनारायण माथुर, श्री लक्ष्मीनारायण झरवाल, श्री गोविंदनारायण खादीवाले और भंवरलाल खिलौनेवाले को साफा पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।
- अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के 84वें बलिदान दिवस पर जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर स्वातंत्र्य समर की स्मृतियां फिर से ताजा हो गईं। स्वतंत्रता सेनानी श्री सांवर लाल भारती, श्री लक्ष्मी चंद बजाज, पं. श्री रामकिशन का शॉल, माला एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। प्रसिद्ध क्रांतिकारी अर्जुनलाल सेठी के पुत्र प्रकाश सेठी, शहीद अमित भारद्वाज के पिता ओ.पी. शर्मा को सम्मानित किया गया। समारोह के अध्यक्ष के रूप में मां भारती के सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य मिला।

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

विकट विप्लवी महावीर सिंह का स्मरण

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, लोकमान्य तिलक के पौत्र श्री शैलेष तिलक, गोपाल शर्मा, शहीद भगत सिंह के भांजे श्री जगमोहन सिंह और शहीद महावीर सिंह के पौत्र श्री असीम राठौर

- अंडमान में शहीद क्रांतिकारी महावीर सिंह के शहादत दिवस पर जयपुर बोला 'भारत माता की जय'। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत सहित जयपुर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।
- 17 मई, 2013 को क्रांतिकारी महावीर सिंह के पौत्र श्री असीम सिंह राठौर के आवास से कारगिल शहीद कैप्टन अमित भारद्वाज के आवास तक रैली निकाली गई। इस रैली में नागरिक देशभक्ति से संबंधित नारे लिखी हुई पट्टियां लेकर चल रहे थे।
- प्रेस क्लब स्थित सभागार में देश के विभिन्न क्रांतिकारी परिवारों के सदस्यों ने एकत्रित होकर शहीद महावीर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।
- क्रांतिवीर महावीर सिंह के पौत्र असीम राठौर, अमित भारद्वाज के पिता ओ.पी. शर्मा, तात्या टोपे के प्रपौत्र सुभाष टोपे, बाल गंगाधर तिलक के प्रपौत्र शैलेश तिलक, भगत सिंह के भांजे जगमोहन सिंह, चंद्रशेखर आजाद के सहदौहित्र गणेश शंकर मिश्र, सुखदेव के प्रपौत्र अनुज थापर, केसरीसिंह बारहठ की पौत्री राज्यलक्ष्मी साधना, अर्जुनलाल सेठी के पुत्र प्रकाश सेठी, उधम सिंह के परिवार से खुशीनंद सिंह, क्रांतिवीर दुर्गा सिंह के परिवार से विजयसिंह सिसोदिया, शहीद मेजर योगेश अग्रवाल के पिता अजय अग्रवाल, हिम्मत सिंह के पिता किशोर सिंह, शहीद अभय पारीक के पिता कल्याण सिंह पारीक का सम्मान किया गया।

लोकमान्य तिलक, श्री अर्जुनलाल सेठी, श्री महावीर सिंह, श्री सुखदेव, श्री तात्यां टोपे, श्री चंद्रशेखर आजाद, श्री भगत सिंह, श्री केसरीसिंह बारहठ, वीर उधम सिंह और शहीद दुर्गासिंह के परिजनों के साथ कारगिल के शहीद परिवार।

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

पुलवामा हमले के खिलाफ आक्रोश

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

क्रांतिकारी परिवारों की सम्मान यात्रा

22 मार्च 2013 को राष्ट्रपति भवन में शहीद राजगुरु डाक टिकट लोकार्पण

- स्वातंत्र्य समर स्मृति संस्थान की स्थापना गोपाल शर्मा के संरक्षत्व में की गई। इससे पहले 22 मार्च, 2013 को राष्ट्रीय क्रांतिकारी परिवार संगठन का निर्माण शहीद राजगुरु की स्मृति में डाक टिकट लोकार्पण के अवसर पर नई दिल्ली में किया गया। क्रांतिकारी परिवारों ने सर्वसम्मति से गोपाल शर्मा को संयोजक, श्री जगमोहन सिंह (अमर शहीद भगत सिंह के भांजे) को अध्यक्ष और वीर विनायक दामोदर सावरकर की पुत्रवधु श्रीमती हिमानी सावरकर को उपाध्यक्ष चुना।
- 23 मार्च, 2013 को लगभग 25 क्रांतिकारी परिवारों ने हुसैनीवाला जाकर अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल सहित उनके मंत्रिमंडल के अधिकांश सदस्य उपस्थित थे।
- क्रांतिकारी परिवारों की ओर से गोपाल शर्मा ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी और हुसैनीवाला में श्री प्रकाश सिंह बादल को ज्ञापन सौंपा।

मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल और मंत्रिमंडल के सदस्यों के समक्ष विचार प्रकट करते गोपाल शर्मा

फिरोजपुर में सम्मान करते प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री कमल शर्मा और श्री अश्फाकउल्ला खान

पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाशसिंह बादल को ज्ञापन सौंपते हुए; साथ में राजगुरु के पौत्र श्री सत्यशील राजगुरु, भगतसिंह के भतीजे श्री जोरावर सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री कमल शर्मा, सुखदेव के पौत्र श्री अनुज थापर, चंद्रशेखर आजाद के दौहित्र श्री गणेशशंकर मिश्रा

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

उत्तिष्ठित जाग्रत प्राप्य बरान्निबोधत

जयपुर के युवाओं के साथ तिरंगा रैली का आयोजन

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

महिला शक्ति का सम्मान

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

सामाजिक समरसता के ऐतिहासिक आयोजन

सामाजिक समरसता के लिए समर्पित जयपुर में आयोजित विप्र महाकुंभ के मुख्य संयोजक के रूप में संबोधित करते

जयपुर के अमरूदों का बाग में ब्रह्मशक्ति सम्मेलन को संयोजक के रूप में संबोधन

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

सामाजिक समरसता के ऐतिहासिक आयोजन

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

सर्वसमाज का प्रखर शंखनाद

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

महाशिवरात्रि, 2019 की पूर्व संध्या पर रामलीला मैदान में आयोजित सामाजिक समरसता सम्मेलन में हजारों नागरिकों की सहभागिता।

मातृशक्ति की विशाल कलश यात्रा, तिरंगा यात्रा, पुलवामा और जयपुर के सभी शहीद परिवारों का सम्मान, राष्ट्ररक्षा शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ, वेद पाठों की पवित्र ऋचाओं से वातावरण गुंजायमान।

प्रमुख क्रांतिकारी परिवारों के सदस्य, काशी विश्वनाथ मंदिर-जयपुर गोविंददेव मंदिर के महंतों सहित विभिन्न समाजों के गणमान्य नागरिक शामिल।

शहीद अमित भारद्वाज और शहीद योगेश अग्रवाल के पिताश्री का आशीर्वाद

शहीद अशफाकउल्ला खान के पौत्र के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा

झारखंड महादेव जी मंदिर से भव्य कलशयात्रा में शामिल महिला शक्ति

जयपुर के युवाओं ने गोपाल शर्मा का किया अभिनंदन

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

गोविंदोत्सव एक अनूठा आयोजन

पूर्व राज्यपाल श्री एन.एल. टिबरेवाल और शतायु संघ प्रचारक श्री धनप्रकाश त्यागी का सम्मान करते हुए

शेखावाटी और ब्रज क्षेत्र की होली को जीवंत करते कलाकार

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

ढप-चंग-बांसुरी की जुगलबंदी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा

- स्टेच्यू सर्किल स्थित होटल रॉयल हवेली में 24 मार्च, 2019 को आयोजित गोविंदोत्सव में छोटीकाशी की धर्मपारायण जनता गोविंद के रंग में सराबोर हो गई। समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिष्ठित और आमजन ने फाल्गुनी गीतों पर फूलों की होली खेली।
- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल एन.एल. टिबरेवाल रहे। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अति विशिष्टजनों का सम्मान भी किया गया। इनमें गोविंद देवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक धनप्रकाश त्यागी, देवर्षि कलानाथ शास्त्री को राष्ट्र गौरव सम्मान प्रदान किया गया।
- भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. बी एल सोनी, विज्ञापन क्षेत्र की नामचीन हस्ती रूपचंद माहेश्वरी, आर्य समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी सत्यव्रत सामवेदी, ओलंपिक धावक गोपाल सैनी को राजस्थान गौरव से सम्मानित किया गया।

मंच पर विराजमान (बाएं से) श्री गोपाल सैनी, श्री सत्यव्रत सामवेदी, श्री धनप्रकाश त्यागी, श्री बी.एल. सोनी, श्री एन.एल. टिबरेवाल, गोपाल शर्मा, महंत श्री अंजन कुमार गोस्वामी, देवर्षि श्री कलानाथ शास्त्री, श्री सुभाष गोयल, श्री रूपचंद माहेश्वरी, श्री ओ.पी. शर्मा

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

उपराष्ट्रपति प्रथम अभिनन्दन समारोह

- उपराष्ट्रपति के रूप में श्री भैरोंसिंह शेखावत के प्रथम बार जयपुर आगमन पर सामाजिक-व्यावसायिक संस्थाओं ने मिलकर नागरिक अभिनन्दन किया।
- अभिनन्दन समारोह में राज्यपाल श्री अंशुमान सिंह, सर्वोदयी नेता श्री सिद्धराज ढड्ढा और पूर्व महाराजा श्री भवानी सिंह सहित गणमान्य नागरिक शामिल हुए।
- अभिनन्दन समारोह समिति के संयोजक की भूमिका का निर्वाह करने का अवसर मिला।

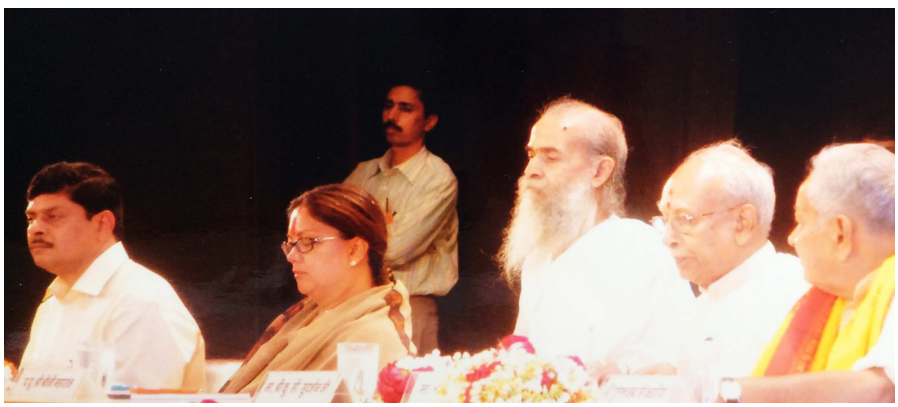

- भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री ललितकिशोर चतुर्वेदी के 75 वर्ष पूर्ण करने पर अमृत महोत्सव आयोजित किया गया। सरसंघचालक श्री कु.सी. सुदर्शन का सान्निध्य प्राप्त हुआ।
- समिति के अध्यक्ष श्री गुलाबचंद कटारिया थे और उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला।

श्री ललितकिशोर चतुर्वेदी, श्री कु.सी. सुदर्शन, श्री श्री जी महाराज, श्रीमती वसुंधरा राजे के साथ

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

दादा भाई अमृत महोत्सव समारोह

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 3 दशकों से अधिक प्रांत कार्यवाह रहे 60 वर्षों से निरंतर राष्ट्र साधना के साथ संस्कृत मासिक 'भारती' के संस्थापक के रूप में संपादन करते रहे पं. गिरिराज शास्त्री 'दादा भाई' के सम्मान में अमृत महोत्सव समारोह अविस्मरणीय रहा।
- जयपुर के बिड़ला सभागार में 26 अक्टूबर, 2009 को आयोजित अमृत महोत्सव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहनराव भागवत, पूर्व उपराष्ट्रपति श्री भैरोंसिंह शेखावत और पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. मुरलीमनोहर जोशी जी उपस्थित थे। समारोह को श्री निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्री श्रीजी महाराज जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ।
- दादा भाई अभिनन्दन समारोह के संयोजक का दायित्व निभाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

साध्वी ऋतंभरा की ऐतिहासिक भागवत कथा

श्री ललितकिशोर चतुर्वेदी के सान्निध्य में सहयोगी भूमिका का निर्वाह

भारत के इतिहास की सबसे बड़ी कलश यात्रा

जनता का अभिवादन करती मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे के साथ

साध्वी ऋतम्भरा की कथा सुनने आई राज्यपाल श्रीमती प्रतिभा पाटील

महानगर टाइम्स कार्यालय में साध्वी ऋतंभरा का पदार्पण और आशीर्वचन.. श्री ललितकिशोर चतुर्वेदी, श्री मानिकचंद सुराणा, श्री पी.एल. चतुर्वेदी

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

खोले के हनुमानजी मंदिर सौंदर्यीकरण

- खोले के हनुमानजी मंदिर सौंदर्यीकरण का श्रेय मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे को है। पुण्यात्मा राजमाता विजयाराजे सिंधिया को सच्ची श्रद्धांजलि ने उन्हें इस पवित्र कार्य के लिए प्रेरित किया। इस पर करीब 27 करोड़ रुपए की लागत आई।
- सौंदर्यीकरण योजना के समन्वयक के रूप में सरकार और मंदिर के बीच समन्वय और सहयोग की महती जिम्मेदारी निभाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।
- विषय खोले के हनुमानजी मंदिर से जुड़ी चट्टान के नीचे से पानी के रिसाव से जुड़ा हुआ था। महंत श्री राधेलालजी चौबे ने इसी विषय के समाधान के संदर्भ में प्रबंधक श्री बाबूलाल मीणा को मिलने भेजा था। हनुमानजी महाराज की कृपा से मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे से 5 मिनट फोन पर हुई वार्ता ने जयपुर की धार्मिक प्रतिष्ठा को एक नए आयाम का सुअवसर दे दिया।

खोले के हनुमानजी मंदिर के सौंदर्यीकरण लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे, नगरीय विकास राज्यमंत्री श्री प्रतापसिंह सिंघवी, सचिव श्री ललित के. पंवार, विधायक श्री बृजकिशोर शर्मा के साथ योजना समन्वयक के रूप में

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

गुजरात भूकंप पीड़ितों के लिए सेवा निधि

- 'गुजरात हम तुम्हारे साथ हैं' और 'भारत माता की जय' के नारों के बीच राहत सामग्री के काफिले भूकम्प पीड़ितों के लिए रवाना किए गए। काफिले के साथ राहत टोली, चिकित्सक और कार्यकर्ता भी गुजरात गए और अडेसर में राहत शिविर लगाया। उन्होंने आस-पास के गांवों में शव निकालने से लेकर सामग्री वितरित की। सामग्री रवाना करते राज्यपाल श्री अंशुमान सिंह।

18 ट्रक राहत सामग्री भिजवाई

- 26 जनवरी, 2001 को गुजरात में भीषण भूकंप के तुरंत बाद पीड़ितों की सहायता के लिए महानगर टाइम्स ने जयपुर के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ मिलकर सेवा निधि का गठन किया। गोपाल शर्मा को इसका संयोजक बनाया गया। जयपुर के व्यापार मंडल, सामाजिक संगठन और शिक्षण संस्थानों ने इसमें भरपूर सहयोग किया।
- महानगर टाइम्स द्वारा संचालित सेवा निधि का अस्थाई शिविर कोई आरामदेह जगह नहीं थी, बल्कि हालात तो ये थे कि सिर ढंकने तक कुछ नहीं था। सेवा निधि के कार्यकर्ताओं ने चारों ओर लकड़ियां डालकर उन्हें दरियों से ढंक दिया और उसी के बीच में रात गुजारते थे और सुबह होते ही गांव में निकल पड़ते थे।
- राहत सामग्री का वितरण काफी कठिन काम था। जहां राहत सामग्री थी, वहां लेने वाले नहीं थे और जहां लेने वाले थे, वहां तक राहत सामग्री नहीं पहुंची थी।
- जयपुर के हजारों स्कूली छात्र-छात्राओं ने झोली फैलाकर शहर में अनूठा दृश्य उपस्थित कर दिया। ये रैलियां शहर में एक साथ प्रमुख स्थानों से रवाना हुईं तथा शहर के सभी प्रमुख बाजारों से होती हुई अलग-अलग स्थानों पर समाप्त हुई।

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

सिकरौरी गोलीकांड के पीड़ितों को सहायता

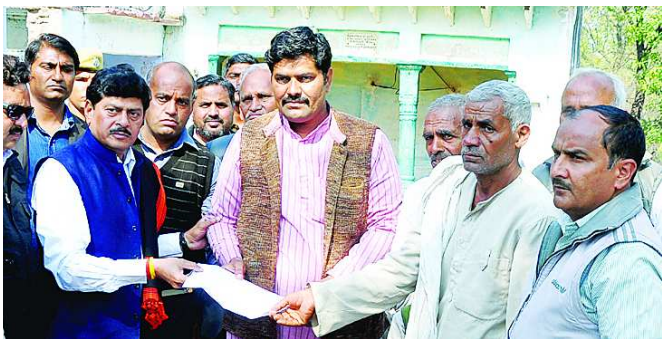
मृतक परिवारों को 5-5 लाख के मुआवजे का पत्र सौंपते हुए

मृतक परिवार को ढांढस बंधाते हुए

- भरतपुर जिले के सिकरौरी गांव में हुए मामूली विवाद के बाद बाहर के गांवों से आकर दबंगों ने ब्राह्मणों को लाइन में खड़ा करके गोलियां मारीं। इससे 2 युवकों की मौके पर मौत हो गई। 4 व्यक्ति गोली लगने से घायल हुए।
- दबंगों का आतंक इतना था कि कोई सांत्वना देने भी गांव तक जाने की स्थिति में नहीं था।
- जयपुर के कुछ सहयोगियों के साथ पहली बार गांव पहुंचकर वहां के पीड़ितों और जनता को एकजुट किया और भयमुक्ति का वातावरण पैदा हुआ।
- सरकार और प्रशासन का सहयोग लेकर मृतक परिवारों को 5-5 लाख रुपए और घायलों को 1-1 लाख रुपए का मुआवजा मंजूर करवाया।
- इस घटना के बाद जनता जागी और अपराधियों को सींखचों के अंदर जाना पड़ा। आम जनता में आत्मविश्वास लौटा और भरतपुर जिले में एकजुटता से न्याय मिलने की मिसाल कायम हुई।

सिकरौरी (भरतपुर) में युवक की हत्या के बाद थाने के सामने जमा हुए आक्रोशित समूह को संबोधित करते हुए

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

टोंक के पीड़ितों को न्याय, दौसा में राहत

रामजीलाल शर्मा की हत्या के बाद थाने पर रखे शव को शांतिपूर्वक हटवाकर दाह संस्कार करवाने और राज्य सरकार से मुआवजा दिलवाने में मध्यस्थता करने की भूमिका निभाई। टोंक के कलेक्टर श्री एल.सी. असवाल के साथ पांच लाख रुपए का चैक मृतक की विधवा को सौंपा।

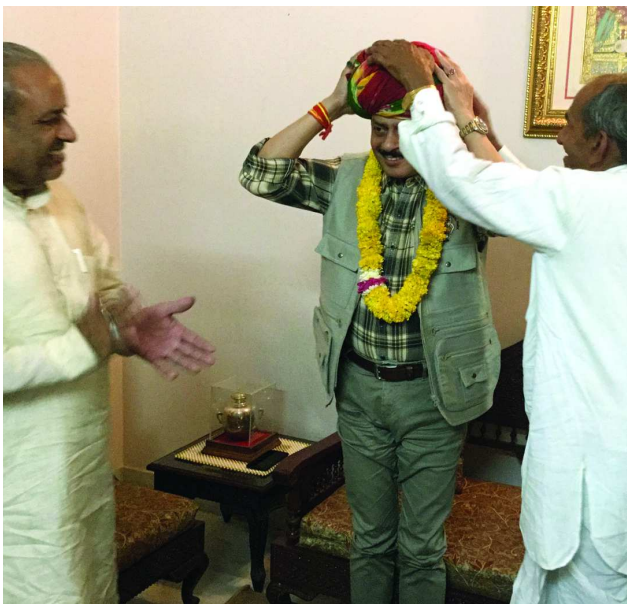

दौसा जिले के एक गरीब परिवार को बड़े अस्पताल द्वारा मरने को मजबूर करने और उस परिवार के व्यक्ति को अस्पताल से नहीं छोड़ने के मामले में सकारात्मक पहल से विषय का समाधान। दौसा जिले के लोगों ने इस घटना के बाद किया सम्मान। मंत्री-विधायक स्तर तक फरियाद भी न्याय नहीं दिलवा पाई।

निवाई (टोंक) में युवक की हत्या के बाद थाने के सामने जमा हुए आक्रोशित समूह को संबोधित करते हुए

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

कारसेवा से कारसेवा तक

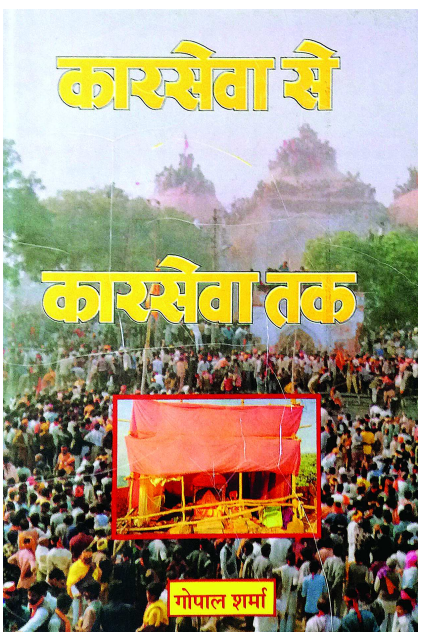

'कारसेवा से कारसेवा' का लोकार्पण करते भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी

समारोह में श्री भैरोंसिंह शेखावत और राजस्थान पत्रिका के संस्थापक श्री कर्पूरचंद कुलिश भी मौजूद रहे

- देश की आजादी के बाद के सबसे बड़े घटनाक्रम अयोध्या आंदोलन की लगभग सभी घटनाओं का प्रत्यक्षदर्शी होने और उन्हें राजस्थान की जनता तक पहुंचाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।
- गोलियों के बीच, अश्रुगैस के गोले और लाठीचार्ज के समय, भगदड़ और विवादित ढांचे के ध्वंस के दौरान रिपोर्टिंग करते समय ऐसे भी मौके आए, जब प्रभु ने जीवन बचाया।
- 1990 की पहली कारसेवा के बाद सभी घटनाओं को सम्मिलित करके इतवारी पत्रिका का 'कारसेवा विशेषांक' निकला, तो उसे देखने की धूम मच गई। राजस्थान पत्रिका में वह विशेषांक एक सप्ताह तक प्रकाशित होता रहा। श्री रज्जू भैया, श्री अशोक सिंघल को भी वह विशेषांक बहुत पसंद आया।
- बाबरी ढांचे के ध्वंस के बाद आंदोलन के सभी पहलुओं पर केंद्रित पुस्तक 'कारसेवा से कारसेवा तक' का लोकार्पण भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी ने किया। तीन महीनों में पुस्तक की रिकॉर्ड बिक्री 20,000 हुई।
- राजस्थान पत्रिका की प्रगति में अयोध्या आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बाबरी ढांचे के ध्वंस के दौरान की गई रिपोर्टिंग से 7 दिन में 25 प्रतिशत प्रसार संख्या बढ़ गई।

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

महाव्रती कर्मयोगी प्रचारक श्री सोहन सिंह

दिल्ली के हिन्दी सभागार में शाखा लगाकर पुस्तक के लोकार्पण की ऐतिहासिक घटना ... सरसंघचालक श्री मोहनराव भागवत, क्षेत्रीय संघचालक श्री बजरंगलाल गुप्ता और सहसंघचालक श्री आलोक कुमार के साथ

जयपुर में लोकार्पण.. प्रचारक प्रमुख श्री सुरेश कुमार, क्षेत्रीय संघचालक श्री रमेश अग्रवाल

श्री सोहन सिंह जी ने अपने समर्पित जीवन से समाज को दिशा दी और राष्ट्र के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं का निर्माण किया। ..जिन्होंने प.पू. डॉ. जी को नहीं देखा, वे सोहन सिंह जी को देखकर उनकी अनुभूति कर सकते हैं। श्री गोपाल शर्मा ने उनके जीवन पर अद्‌भुत और अविस्मरणीय कार्य किया है।

- श्री मोहनराव भागवत
(पुस्तक लोकार्पण के अवसर पर)

पुस्तक लोकार्पण के समय अग्रवाल कॉलेज ऑडिटोरियम में उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता बंधु गण

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

कन्याकुमारी से लालचौक एकता यात्रा

कन्याकुमारी से लालचौक एकता यात्रा

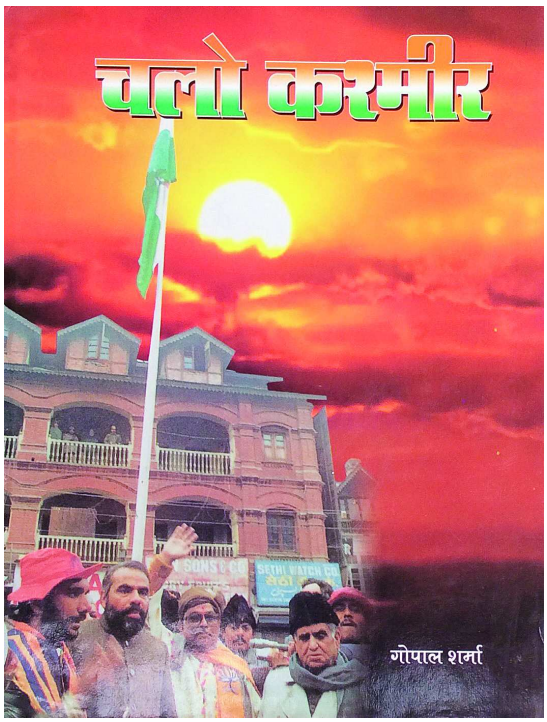

- कन्याकुमारी से लालचौक पर तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का शंखनाद करने निकली एकता यात्रा का कवरेज करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अधिकांश यात्रा की रिपोर्टिंग करने वाला पत्रकार रहा।
- विशेष विमान से जाकर यात्रा के संयोजक श्री नरेन्द्र मोदी और डॉ. मुरली मनोहर जोशी के तिरंगा फहराने की ऐतिहासिक घटना का साक्षी बना।
- सम्पूर्ण एकता यात्रा पर पुस्तक 'चलो कश्मीर' को यत्र-तत्र सराहना मिली।

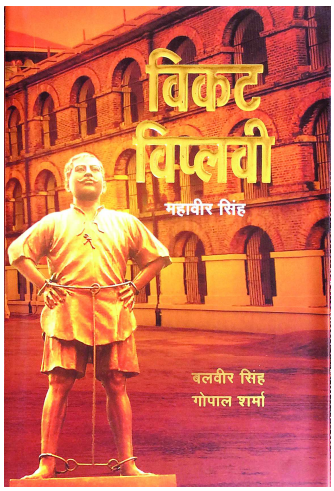

- लाहौर षड़यंत्र केस में भगतसिंह के सहयोगी महावीर सिंह अंडमान की काला पानी सजा के दौरान शहीद हुए।
- महावीर सिंह पर उनके चाचा बलवीर सिंह के संस्मरणों सहित 'विकट विप्लवी' प्रकाशित।

आजादी के बाद भारतीय मानदंडों के विध्वंस का दस्तावेज

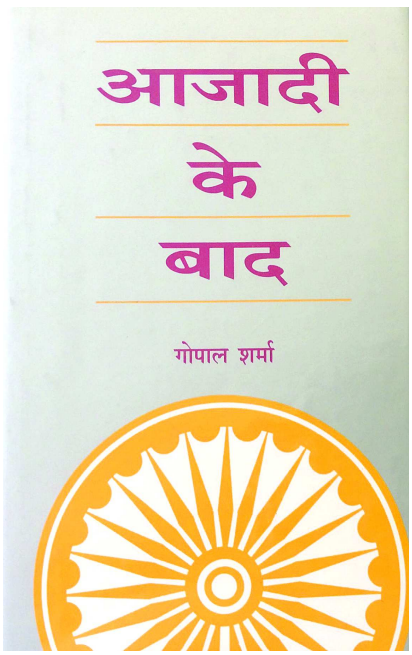

गोपाल शर्मा ने 'आजादी के बाद' में ऐसे अनेक प्रश्नों पर अपनी लेखनी चलाई है, जो सामयिक हैं और जिनका समाधान देश के भविष्य के लिए नितांत आवश्यक है। स्वाधीनता के संघर्ष में जिन महापुरुषों ने अपना योगदान दिया, जिन्होंने अपनी त्याग-तपस्या और बलिदान से विदेशी शासन से हमें मुक्ति दिलाई उनके प्रति हमारा कुछ कर्त्तव्य है। लेकिन यह देखकर दुःख होता है कि आत्माहुति देने वाले राष्ट्रीय महापुरुषों को स्वाधीनता के बाद बिल्कुल भुला दिया गया।

- डॉ. मुरली मनोहर जोशी (पुस्तक भूमिका)

लोकार्पण करते श्री भैरोंसिंह शेखावत और श्री जगमोहन

'आजादी के बाद' एक ऐसा दस्तावेज है, जिसे पढ़ने से राष्ट्रभक्ति का संचार होता है। इससे तुष्टिकरण से हो रहे नुकसान का प्रामाणिक तरीके से दिग्दर्शन होता है।

- जगमोहन
(लोकार्पण भाषण)

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

युगपुरुष स्मृति समारोह.. गांधीः जयपुर सत्याग्रह

जलियांवाला बाग बलिदान स्मृति शताब्दी समारोह पर परिजनों का अभिनंदन

गांधीः जयपुर सत्याग्रह पुस्तक का विमोचन करते (बाएं से) पद्मभूषण श्री डी.आर. मेहता, गोपाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, नेता प्रतिपक्ष श्री गुलाबचंद कटारिया, मूर्धन्य साहित्यकार श्री नंदकिशोर आचार्य, वरिष्ठतम पत्रकार श्री प्रवीणचंद्र छाबड़ा।

राजस्थान के वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानियों को मंचासीन अतिथियों ने उनके पास जाकर स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती और जलियांवाला बाग बलिदान की 100वीं बरसी पर बिड़ला सभागार में आयोजित युगपुरुष स्मृति समारोह में देश की आजादी की लड़ाई में शामिल हुए प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ही जलियांवाला बाग के नरसंहार में शहीद हुए आंदोलनकारियों के परिजनों को सम्मानित किया गया।
- समारोह में 'गांधीः जयपुर सत्याग्रह' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। पुस्तक के माध्यम से जयपुर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के गहरे आत्मीय संबंधों और सत्याग्रह आंदोलन के अध्याय का रहस्योद्घाटन हुआ। समारोह में जयपुर के सभी स्कूल-कॉलेजों के श्रेष्ठतम छात्र प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

शतायु सेनानियों में आजादी के आंदोलन का जज्बा

माइकल ओ'डायर की हत्या कर जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लेने वाले अमर शहीद उधम सिंह के परिजनों को सम्मानित करते अतिथिगण

जयपुर, 5 जून, 2016, रविवार वर्ष 19 | अंक 192 | पृष्ठ 16 | ₹ 2.00

महानगर

महासंग्राम

इतिहास के नाजुक मोड़ पर सबसे विवादित प्रेसीडेंट के लिए मजबूर अमेरिका

वाशिंगटन से लौटकर

ग्राउंड रिपोर्ट

● गोपाल शर्मा

चर्चा से बाहर डेमोक्रेट्स

ट्रंप तैयार

ट्रंप को रोकने के लिए उनकी ही पार्टी के 16 दिग्गज मैदान में थे, जिनमें टैड क्रूज और जॉन केसिक ने आपस में तालमेल भी किया लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के आक्रमण के सामने अंत में सभी को मैदान छोड़ना पड़ा।

एनयूजेआई का राष्ट्रीय अधिवेशन

कारसेवा से कारसेवा तक का लोकार्पण

महानगर टाइम्स का लोकार्पण समारोह

प्रेरणा स्रोत और आशीर्वचन

वसुन्धरा राजे
मुख्यमंत्री राजस्थान

अ.शा.पत्र क्रमांकःमुम./जसप्र/2008
जयपुर, दिनांक 20 MAY 2008

माननीय गोपालजी

जयपुर में हुए बम धमाकों ने हम सबकी अंतर्रात्मा को झकझोर दिया है। राजस्थान जैसे शांतिप्रिय प्रदेश में आतंकियों ने विकास की धारा को अवरुद्ध करने की जो साजिश रची थी, उसे यहां की जनता ने पूरी तरह नकार दिया है।

जनता में ऐसा करने का साहस और आत्मविश्वास जगाने में आपने और हमारे अपने अखबार महानगर टाइम्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी प्रोफेशनल जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी आपने मानवीय संवेदना को सर्वोपरि रखा है। सकारात्मक सोच के साथ की गई जिम्मेदारीपूर्ण पत्रकारिता ने साम्प्रदायिकता के दावानल से राजस्थान को बचाने में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इससे भय, आतंक और विद्वेष फैलाने के नापाक इरादों में आतंकी कामयाब नहीं हो सके।

मैं प्रदेश की जनता और राजस्थान सरकार की ओर से आपका हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं। साथ ही, उम्मीद करती हूं कि सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ आप हमेशा राज्य के विकास में इसी तरह अपना योगदान देते रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित!

सद्भावी,

वसुन्धरा राजे

(वसुन्धरा राजे)

श्री गोपाल शर्मा,
प्रधान सम्पादक, 'महानगर टाइम्स'
जयपुर

सामाजिक समरसता के लिए विप्र महाकुंभ

कारगिल शहीद समर्पण समारोह

जनसेवा कार्यक्रम

प्रेरणा स्रोत और आशीर्वचन

केशव कुंज
अम्बाला
10/3

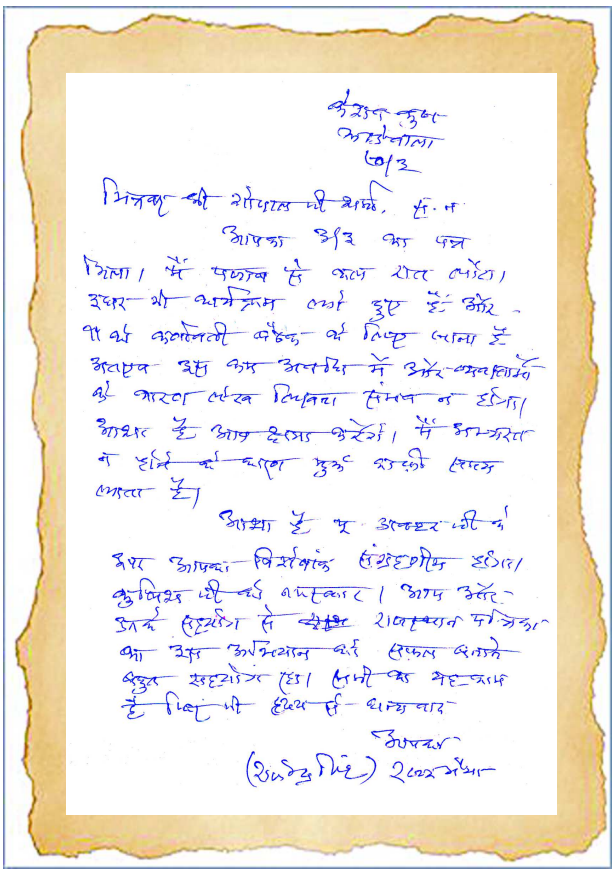

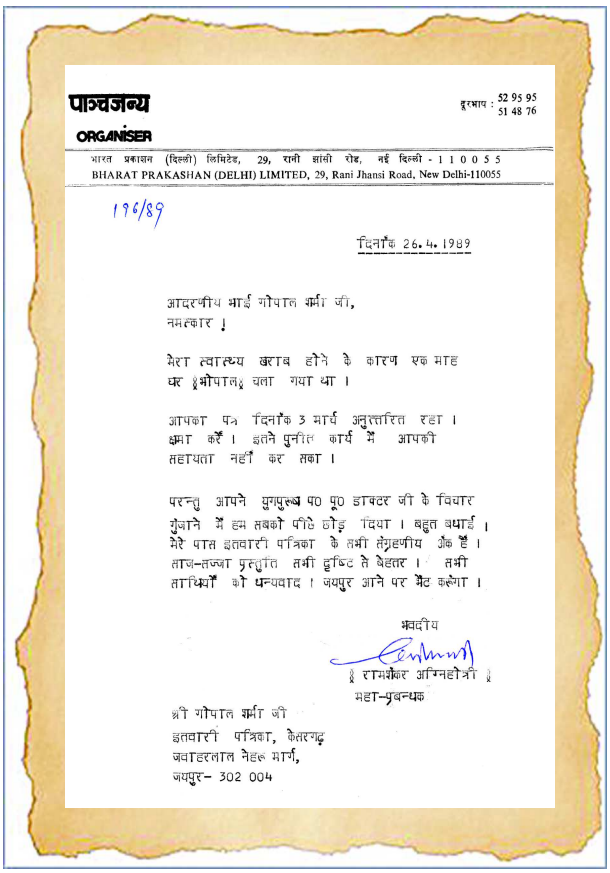

प्रिय बन्धु श्री गोपाल जी शर्मा, स.न.

आपका 3/3 का पत्र मिला। मैं पंजाब से कल रात लौटा। इधर भी कार्यक्रम लगे हुए हैं और 11 को कार्यकारी बैठक के लिए जाना है अतएव इस कम अवधि में और व्यस्तताओं के कारण लेख लिखना संभव न होगा। आशा है आप क्षमा करेंगे। मैं असमर्थता [illegible] मुझे इसका खेद लगता है।

आशा है पू. डाक्टर जी के ऊपर आपका विशेषांक संग्रहणीय होगा। कुलिश जी को नमस्कार। आप और उनके सहयोग से ~~[illegible]~~ राजस्थान पत्रिका का इस अभियान को सफल बनाने बहुत सहयोग रहा। सभी का यह प्रयास है फिर भी हृदय से धन्यवाद

भवदीय
(राजेन्द्र सिंह) रज्जू भैया

पाञ्चजन्य
ORGANISER

दूरभाष : 52 95 95
51 48 76

भारत प्रकाशन (दिल्ली) लिमिटेड, 29, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली - 1 1 0 0 5 5
BHARAT PRAKASHAN (DELHI) LIMITED, 29, Rani Jhansi Road, New Delhi-110055

196/89

दिनांक 26.4.1989

आदरणीय भाई गोपाल शर्मा जी,
नमस्कार !

मेरा स्वास्थ्य खराब होने के कारण एक माह घर (भोपाल) चला गया था।

आपका पत्र दिनांक 3 मार्च अनुत्तरित रहा। क्षमा करें। इतने पुनीत कार्य में आपकी सहायता नहीं कर सका।

परन्तु आपने युगपुरूष प0 पू0 डाक्टर जी के विचार गुंजाने में हम सबको पीछे छोड़ दिया। बहुत बधाई। मेरे पास इतवारी पत्रिका के सभी संग्रहणीय अंक हैं। साज-सज्जा प्रस्तुति सभी दृष्टि से बेहतर। सभी साथियों को धन्यवाद। जयपुर आने पर भैंट करूंगा।

भवदीय
(रामशंकर अग्निहोत्री)
महा-प्रबन्धक

श्री गोपाल शर्मा जी
इतवारी पत्रिका, केसरगढ़
जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
जयपुर- 302 004

प्रो. श्री राजेन्द्र सिंह	आप (गोपाल शर्मा) और कुलिशजी के सहयोग से राजस्थान पत्रिका का प.पू. डॉ. हेडगेवार जी के जन्मशताब्दी के अभियान को सफल बनाने में बड़ा सहयोग रहा। (राममंदिर आंदोलन में राजस्थान पत्रिका की भूमिका के संदर्भ में 7 मार्च, 1989 को पत्र)
श्री अटलबिहारी वाजपेयी	राजस्थान में पत्रकारों के उत्थान के लिए जो कार्य हो रहे हैं, वे काफी उल्लेखनीय हैं। मैं इसके लिए अध्यक्ष गोपाल शर्मा को धन्यवाद देता हूं। (एन.यू.जे.आई. के राष्ट्रीय अधिवेशन 16 नवम्बर, 1995 में)
श्री लालकृष्ण आडवाणी	गोपाल शर्मा ने 'कारसेवा से कारसेवा तक' पुस्तक लिखकर ऐतिहासिक कार्य किया है। इसे सदैव स्मरण रखा जाएगा। (फरवरी, 1993 में पुस्तक का लोकार्पण करते समय)
श्री भैरोंसिंह शेखावत	श्री गोपाल शर्मा के राष्ट्रवादी विचारों और स्वस्थ पत्रकारिता के सिद्धांतों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने मुझे सदैव प्रभावित किया है। श्री शर्मा एक निर्भीक और आशावादी पत्रकार हैं। (1 फरवरी, 2007 को लिखे पत्र में)
श्री कर्पूरचंद कुलिश	गोपाल शर्मा की कर्मनिष्ठा से मैं भलीभांति परिचित हूं। वे विषम परिस्थिति में भी अपने कर्तव्य में शिथिल या विमुख नहीं होते। (राम जन्मभूमि आंदोलन के कवरेज में भूमिका के संदर्भ में)
श्री रामशंकर अग्निहोत्री **महाप्रबंधक, पांचजन्य-ऑर्गनाइजर**	आपने (गोपाल शर्मा) प.पू. डॉक्टर जी के विचार गुंजाने में हम सबको पीछे छोड़ दिया। बधाई। (प.पू. डॉ. हेडगेवारजी विशेषांक पर 26 अप्रेल, 1989 का पत्र)

जयपुर, 25 अप्रेल, 2015, शनिवार वर्ष 18 | अंक 151 | पृष्ठ 16 | ₹ 2.00

महानगर

अमित भाई शाह

परीक्षा की असली घड़ी

भाजपा में पहली बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन का अहसास

प्रखर होता नया महानायक